संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -226 सोमवार ,17 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन हैक मामले पर छिड़ी बहस

» इलॉन मस्क बोले- ईव्हीएम हैक हो सकती है...

» पूर्व मंत्री का जवाब- यह भारत में संभव नहीं...

» राहुल बोले- ये ब्लैक बॉक्स है...

**नई दिल्ली,16 जून 2024(ए)।** इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर फिर बहस छिड़ गई है। दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने 15 जून को लिखा-ईव्हीएम को खत्म कर देना चाहिए। इसे इंसानों या एआई द्वारा हैक किए जाने का खतरा है। हालांकि ये खतरा कम है, फिर भी बहुत ज्यादा है। अमेरिका में इससे वोटिंग नहीं करवानी चाहिए।

इस पर भाजपा नेता और पूर्व आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा- मस्क के मुताबिक, कोई भी सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर नहीं बना सकता, ये गलत है। उनका बयान अमेरिका और अन्य स्थानों पर लागू हो सकता है - जहां वे इंटरनेट से जुड़ी वोटिंग मशीन बनाने के लिए नियमित कंप्यूट प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

भारतीय ईव्हीएम सुरक्षित हैं और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से अलग हैं। कोई कनेक्टिविटी नहीं, कोई ब्लूटूथ, वाईफाई, इंटरनेट नहीं। यानी कोई रास्ता नहीं है। फैक्ट्री प्रोग्राम्ड कंट्रोलर जिन्हें दोबारा प्रोग्राम नहीं किया जा सकता। ईव्हीएम को ठीक उसी तरह डिजाइन किया जा सकता है, जैसा कि भारत ने किया है। भारत में इसे हैक करना संभव नहीं है। इलॉन, हमें ट्यूटोरियल (सिखाने वाला संस्थान) चलाकर खुशी होगी।

वहीं, राहुल गांधी ने मस्क की पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए कहा- भारत में ईव्हीएम ब्लैक बॉक्स की तरह है। किसी को भी इसकी जांच की अनुमति नहीं है। हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं। जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी की संभावना बढ़ जाती है।

राहुल गांधी ने मस्क की पोस्ट को छपी खबर के साथ रीपोस्ट किया। इसमें मुंबई की घटना का जिक्र है। दरअसल, मुंबई उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से एनडीए और शिवसेना (शिंदे) प्रत्याशी रविंद्र वायकर के साले मंगेश पंडिलकर 4 जून को पाबंदी के बावजूद एक चुनाव अधिकारी का मोबाइल लेकर गोरेगांव के काउंटिंग सेंटर के अंदर गए थे।सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग के एक अधिकारी के पास मोबाइल फोन था, जिससे मतगणना के दौरान ओटीपी जनरेट होता है। इससे ईव्हीएम अनलॉक किया जा सकता है। इस फोन का इस्तेमाल सांसद के रिश्तेदार पंडिलकर कर रहे थे। पुलिस को संदेह है कि फोन का इस्तेमाल सुबह से शाम 4.30 बजे तक किया गया, जब काउंटिंग के दौरान कांटे की टक्कर चल रही थी।

आखिरकार, वायकर शिवसेना उद्धव गुट के अमोल कीर्तिकर से सिर्फ 48 वोट के अंतर से जीते। 2024 लोकसभा चुनाव में यह जीत का सबसे छोटा अंतर है। मुंबई पुलिस ने कई नेताओं और चुनाव आयोग की शिकायतों के बाद 15 जून को मंगेश पंडिलकर और एक चुनाव अधिकारी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

### महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने कहा- ईव्हीएम अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता

ईव्हीएम की फोन से हैकिंग के विपक्ष के आरोपों पर महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। रिटर्निंग ऑफिसर वंदना सूर्यवंशी ने अखबार में छपी खबर को लेकर कहा- ईव्हीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता। ईव्हीएम किसी डिवाइस से कनेक्ट नहीं रहती। यह स्टैंड अलोन यानी खुद से चलने वाला सिस्टम है। अखबार में छपी खबर पूरी तरह से गलत है। हमनें उन्हें नोटिस भेजा है। मानहानि का भी केस दर्ज किया गया है।

### सपा और शिवसेना ने भी सवाल उठाए

राहुल के बाद सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा- टेक्नोलॉजी समस्याओं को दूर करने के लिए होती है, अगर वही मुश्किलों की वजह बन जाए, तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। आदित्य ठाकरे ने लिखा- ईसी का नया मतलब है इनटायरिली कम्प्रोमाईज(पूरी तरह से समझौता) न कि इलेक्शन कमीशन।

मस्क ने यह बात अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट को रीपोस्ट करके कही। कैनेडी जूनियर ने प्यूर्टो रिको के चुनावों में ईव्हीएम से जुड़ी अनियमितताओं के बारे में बताया था और पेपर बैलेट पर लौटने की बात कही थी। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होंगे।

### रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर बोले- पेपर बैलेट पर लौटना होगा

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने पोस्ट में लिखा था- 'प्यूर्टो रिको के प्राइमरी इलेक्शन में ईव्हीएम से वोटिंग के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई थीं। सौभाग्य से यह एक पेपर ट्रेल था, इसलिए समस्या की पहचान की गई और वोटों की गिनती को सही किया गया। सोचिए उन क्षेत्रों में क्या होता होगा, जहां कोई पेपर ट्रेल नहीं है?'अमेरिकी नागरिकों के लिए यह जानना आवश्यक है कि उनके प्रत्येक वोट की गणना की गई है। उनके चुनावों में कोई सेंध नहीं लगाई जा सकती। चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप से बचने के लिए उन्हें पेपर बैलेट पर वापस लौटना होगा।

### भारत में भी सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था मामला

इसी साल अप्रैल में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के वोटों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल पर्चियों की 100 प्रतिशत क्रॉस-चेकिंग की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इस मांग से जुड़ी याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके अलावा कई पॉलिटिकल पार्टियों से जुड़े लोग ईव्हीएम पर सवाल उठाते रहे हैं।

### गूगल और माइक्रोसॉफ्ट सहित कई कंपनियों ने लॉन्च किए एआई प्लेटफॉर्म

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई हमारे जीवन के कई पहलुओं को प्रभावित कर चुकी है। एआई का इस्तेमाल दवाइयों, तस्बीर या वीडियो बनाने, कारों की असेम्बली जैसे बहुत सारे कामों के लिए हो रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट सहित कई कंपनियों ने अपने एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं।

### एआई को लेकर डिजिटल इंडिया बिल ला सकती है सरकार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जनरेट किए गए डीपफेक वीडियो और कंटेंट पर रोक लगाने के लिए मोदी सरकार डिजिटल इंडिया बिल लाने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस विधेयक में एआई टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग और तरीकों पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की भी कोशिश करेगी।

# एनसीईआरटी की किताब से हटा बाबरी मस्जिद का चैप्टर

» लिखा-तीन गुंबद वाला ढांचा, कारसेवा और विध्वंस की डिटेल्स भी गायब

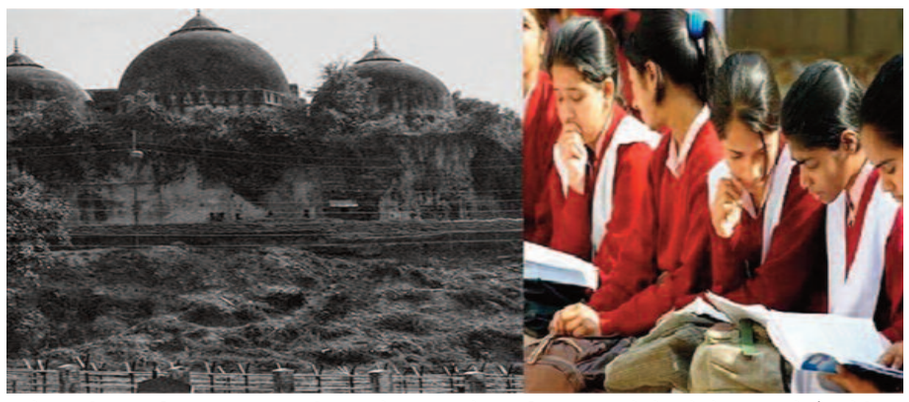



**नई दिल्ली,16 जून 2024(ए)।** स्कूली पाठ्यक्रम के भगवाकरण के आरोपों को खारिज करते हुए एनसीईआरटी के निदेशक ने कहा है कि स्कूली पाठ्यपुस्तकों में गुजरात दंगों और बाबरी मस्जिद गिराए जाने के संदर्भों को इसलिए संशोधित किया गया, क्योंकि दंगों के बारे में पढ़ाना हिंसक और अवसादग्रस्त नागरिक पैदा कर सकता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बदलाव वार्षिक संशोधन का हिस्सा है और इसे शोर-शराबे का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में गुजरात दंगों या बाबरी मस्जिद गिराए जाने के संदर्भ में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर सकलानी ने कहा, ÷हमें स्कूली पाठ्यपुस्तकों में दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए? हम सकारात्मक नागरिक बनाना चाहते हैं, न कि हिंसक और अवसादग्रस्त व्यक्ति। उन्होंने कहा, क्या हमें अपने छात्रों को इस तरह से पढ़ाना चाहिए कि वे आक्रामक हो जाएं, समाज में नफरत पैदा करें या नफरत का शिकार बनें? क्या यह शिक्षा का उद्देश्य है? क्या हमें ऐसे छोटे बच्चों को दंगों के बारे में पढ़ाना चाहिए... जब वे बड़े होंगे, तो वे इसके बारे में सीख सकते हैं, लेकिन स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में क्यों। बड़ा होने पर उन्हें यह समझने दें कि क्या हुआ और क्यों हुआ। बदलावों के बारे में हंगामा अप्रासंगिक है।

# मोदी सरकार आतंकवादियों पर नकेल कसने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

**नई दिल्ली,16 जून 2024(ए)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को सफलता हासिल करने के लिए कश्मीर की तर्ज पर जम्मू संभाग में भी क्षेत्र प्रभुत्व और आतंकवाद की गतिविधियों पर पूरी तरह से लगाम लगाने की नीति (जीरो टेरर प्लान) को लागू करने का रविवार को निर्देश दिया। शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार नए तरीकों से आतंकवादियों पर नकेल कसने के लिए प्रतिबद्ध है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई गई एक उच्चस्तरीय बैठक में गृह मंत्री ने अधिकारियों से ये बातें कहीं। शाह ने 29 जून से शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की।

# अवैध निर्माणों पर चला बाबा का बुलडोजर

» विरोध करने आए लोगों को खदेड़ा, बिजली काटी तब निकले लोग

**अकबरनगर,16 जून 2024 (ए)।** लखनऊ के अकबरनगर में एलडीए की अवैध निर्माणों पर कार्रवाई जारी है। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों को विरोध का भी सामना करना पड़ा जिस पर उन्हें बल प्रयोग करना पड़ा।दरअसल अकबरनगर प्रथम में कार्रवाई के दूसरे दिन एलडीए व जिला प्रशासन की टीम ने सौ से अधिक अवैध निर्माण को जमींदोज किया और फिर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई। वहीं लोग यहां से विस्थापित होते रहे। इन्हें बसंत कुंज योजना के प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट कराया जा रहा है।

### करीब 600 से ज्यादा अवैध निर्माण नष्ट किए गये

जानकारी के मुताबिक़ अकबर नगर प्रथम व द्वितीय में अब तक कुल 614 अवैध निर्माण ध्वस्त किए जा चुके हैं. इस अभियान में 15 पोकलेन मशीन, 12 जेसीबी और 15 वाटर टैंक लगाए गए हैं। सुबह 7 से दोपहर 2 बजे तक और फिर तीन बजे से रात आठ बजे तक कार्रवाई चली।अकबरनगर के 79 आवंटियों को प्रधानमंत्री आवास का कब्जा दिया गया। 5वें दिन नगर निगम और एलडीए ने 165 मकानों को तोड़ा। पूरे इलाके के बिजली कनेक्शन काट दिए गए। लोगों को जल्द घरों को खाली करने की चेतावनी दी गई है। एलडीए अधिकारियों के मुताबिक़ यहांबने मंदिर, मस्जिद और मदरसे भी गिराए जाएंगे।

### पुलिस अकादमी में आईपीएस पिता ने यूपीएससी टॉपर बेटी को किया सैल्यूट

**तेलंगाना,16 जून 2024 (ए)।** फादर्स डे पर तेलंगाना में एक भावनात्मक और गौरवपूर्ण क्षण देखने को मिला। तेलंगाना राज्य लोक सेवा अकादमी (टीएसपीए) के उप निदेशक एन वेंकटेश्वरुलु ने अपनी बेटी, एन उमा हरथी, एक परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारी का सैल्यूट मारकर स्वागत किया। एक मर्मस्पर्शी संकेत में, वेंकटेश्वरुलु ने अपनी बेटी को सैल्यूट और गुलदस्ता देकर स्वागत किया, दोनों ने मुस्कुराहट साझा की जो उनके गर्व और खुशी के पल को शेयर किया। पिता-पुत्री की जोड़ी भी अपने साथी अधिकारियों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुई।

# शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने माना नीट परीक्षा में गड़बड़ी हुई

### एनटीए में सुधार की जरूरत, अफसर दोषी मिले तो छोंगे नहीं

**नई दिल्ली,16 जून 2024 (ए)।** उन्होंने रविवार 16 जून को कहा कि नीट के रिजल्ट में कुछ गड़बड़ियां हुई हैं। जो भी बड़े अधिकारी इसमें शामिल पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने माना कि परीक्षा लेने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में सुधार की जरूरत है।

प्रधान ने कहा कि नीट के संबंध में दो तरह की अव्यवस्था का विषय सामने आया है। पहला- शुरुआती जानकारी थी कि कुछ स्टूडेंट्स को कम समय मिलने के कारण ग्रेस नंबर दिए गए। दूसरा- दो जगहों पर कुछ अनियमितताएं सामने आई हैं। मैं छात्रों और अभिभावकों को आश्वस्त करता हूं कि इसे भी सरकार ने गंभीरता के साथ लिया है।

नीट की परीक्षा इसी साल 5 मई को हुई थी। इसमें 23 लाख 30 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इस दौरान लोकसभा के चुनाव भी हो रहे थे। 4 जून को लोकसभा के साथ नीट के भी रिजल्ट जारी किए गए। इसमें 67 स्टूडेंट्स को पूरे 720 मार्क्स दिए गए। नीट की परीक्षा के इतिहास में पहली बार इतने छात्र टॉप स्कोरर रहे। इस पर कई स्टूडेंट्स ने सवाल उठाए।

परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट समेत 7 हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर हुई हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट एक साथ जोड़कर 8 जुलाई को सुनवाई करेगा। इनमें नीट पेपर लीक और सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाएं भी शामिल हैं।

### इस दौरान एनटीए ने कोर्ट को तीन बातें कहीं..

नीट-यूजी परीक्षा में ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1,563 उम्मीदवारों के स्कोरकार्ड रद्द किए जाएंगे।

### सुप्रीम कोर्ट में 4 याचिकाएं लगा

स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों ने रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर की। काउंसलिंग पर रोक लगाने के साथ परीक्षा रद्द कर जांच की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

इन उम्मीदवारों को 23 जून को फिर से परीक्षा देनी होगी। रिजल्ट 30 जून से पहले जारी किए जाएंगे।1,563 से ज्यादा उम्मीदवारों के परिणामों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की गई है।

# दिल्ली जल बोर्ड ऑफिस पर किए गए पथराव,मटके फेंके

» आतिशी बोलीं- भाजपा नेता दफ्तरों पर हमले करवा रहे, पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा रहे

**नई दिल्ली,16 जून 2024(ए)।** दिल्ली में जल संकट विवाद रविवार को हिंसक हो गया। सैकड़ों की संख्या में आए लोगों ने छतरपुर जल बोर्ड ऑफिस पर पथराव और तोड़फोड़ की। ऑफिस पर मटके फेंके, जिसकी वजह से शीशे टूट गए। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

इस घटना पर दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- दक्षिण दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी भाजपा के गुंडों को लेकर आए और जल बोर्ड के दफ्तर में तोड़फोड़ करवाई। हमने इसका वीडियो दिल्ली पुलिस को भेज दिया है। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे सप्लाई प्रभावित हो रहा है। भाजपा के नेता टूटी पाइपलाइन के पास कैसे पहुंच जा रहे हैं। वे यहां फोटो क्लिक कराते हैं। मैंने पुलिस कमिश्नर को चिट्ठी लिखकर पाइपलाइनों की सिक्योरिटी की मांग की है।भाजपा ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन कियाभाजपा ने दिल्ली में जल संकट को लेकर 14 जगहों पर केजरीवाल सरकार के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन किया।

संपादकीय

# पुलिस की इंट्री आश्चर्य

राजधानी दिल्ली में पानी संकट के बीच पुलिस की इंट्री आश्चर्य पैदा करती है। अब पानी को माफिया से बचाने के लिए पुलिस को ज्यादा चौकस रहना होगा। पानी माफियाओं के बढ़ते दखल के बाद अब कम-से-कम पुलिस को ज्यादा मेहनत करनी होगी।इस बाबत पुलिस फोर्स ने चौकियां स्थापित की हैं और दिल्ली को पानी की आपूर्ति करने वाली नहर के हरियाणा की सीमा पर 15 किलोमीटर के हिस्से पर गश्त शुरू कर दी है। दरअसल, राजधानी इस सीजन में पानी का अभूतपूर्व संकट झेल रहा है। गर्मी की शुरुआत से ही यहां पानी की भारी किल्लत होने लगी थी, मगर न तो दिल्ली की सरकार ने और न केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान दिया। जब तपिश अपने चरम पर पहुंची और जल के लिए त्राहिमाम हुआ तब इधर-उधर से पानी मांगे जाने का प्रपंच शुरू हुआ।वैसे, यह सिर्फ इस सीजन की बात नहीं है। हर साल पानी को लेकर दिल्ली की दुारियां चरम पर रहती है। इस बार ज्यादा गर्मी की वजह से मामला चर्चा में आया। बहरहाल, भले टैंकर माफिया पर नकेल कसने के लिए पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई हो, मगर जो हालात पानी को लेकर दिल्ली की दिखती है उसमें खाकी की भूमिका बहुत ज्यादा नहीं है। उसकी वजह बहुत साफ है। एक तो दिल्ली का अपना पानी का कोई सिस्टम नहीं है। पानी का ज्यादातर हिस्सा यमुना नदी का है। कुछ बोरवेल दिल्ली सरकार ने लगवाए हैं।मगर ये सब कार्य पानी की अभी की स्थिति के सामने बहुत छोटी है। यही वजह है कि पानी के लिए कभी हरियाणा तो कभी उत्तर प्रदेश तो कभी हिमाचल प्रदेश के आगे चिरौरी करनी पड़ती है। अगर दिल्ली को पानी के संकट से निजात पाना है तो उसे सबसे पहले पानी के पूर्व के स्रेतों पर काम करना होगा। इसके अलावा पानी माफिया पर कड़ा रुख दिखाना होगा। पानी की चोरी और उसके बेवजह बह कर बर्बाद होने पर भी नजर रखनी होगी। छोटे-छोटे प्रयास के दम पर ही हम दिल्ली को इस समस्या से उबार सकते हैं।अदालत की चौखट तक जाने से पहले हमें उन पारंपरिक जल स्रेतों पर गंभीरतापूर्वक काम करना होगा। हिमाचल या हरियाणा से पानी मंगाने का चलन अब बंद होना चाहिए। दिल्ली की जनता को भी इस मामले में ईमानदार और सजग रहने की जरूरत है क्योंकि अंततः भोगना उन्हीं को पड़ता है। दिल्ली में पानी की समस्या बड़ी तो है, मगर उतनी बड़ी नहीं कि उसका निदान न हो।

# अंदरूनी कलह बड़ी भूमिका निभाई

हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई।अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है।' इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता। ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के परिणामों के बादहै।प्रदेश में बीजेपी को पहले के मुक़ाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं है। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? जबकि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण,अनुच्छेद 370 के हटने और तीन तलाक़ के मुद्दे थे। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह अबकी बार 400 पार' के अपने नारे को सच कर दिखाएँगे। परंतु ऐसा नहीं हो सका।ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौनसी कमी उनकी नीति मे थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोकसभा चुनावों में देखा गया?क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गये ग़लत फ़ैसलों ने ज़मीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहाँ पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन काकारण बना?सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था।भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व ज़मीन से कट गया है। इस बार के चुनावों को इतने चरणों में बाँटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नज़र आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे। शायद इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया।वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर अपनी नज़र बनाए रखी और खूब भागदौड़ की वो काफ़ी फ़ायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का उन पर विश्वास, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए। चुनाव के दौरान और चुनाव संपन्न होने के बाद जिस तरह अखिलेश यादव की सेना ने चौकन्ना रह कर स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग पर दबाव बनाए रखा वो फ़ायदेमंद साबित हुआ।यदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसी ऊर्जा और रणनीति से अभी से जुटे रहेंगे तो 2027 के विधान सभा चुनावों में भी उनका प्रदर्शन बढिया रहेगा। उत्तर प्रदेश के अगले विधान सभा चुनावों में यदि सही रणनीति और सही उम्मीदवारों का चयन हो, यदि वहाँ की जनता की समस्याओं के समाधान की एक ठोस योजना हो तो उन मतों को भी अपने पाले में लाया जा सकता है जो बुनियादी मुद्दों से भटका दिये गये हैं।इतना ही नहीं, जिस तरह समाजवादी पार्टी को एक विशेष वर्ग के लोगों की पार्टी माना जाता था, उसका भी भ्रम इस बार के चुनावों में टूटा है। सभी हिंदू तीर्थ स्थलों में सपा ने भाजपा को शिकस्त दी है। समाजवादी पार्टी ने जिस तरह एम-वाई' फैक्टर को नये रूप में पेश किया वह भी काम कर गया है। इस बार के चुनावों एम-वाई' फैक्टर को महिला' एवं युवा' के रूप में देखा गया।यदि इसी तरह की रणनीति के तहत अखिलेश यादव की पार्टी 2027 के विधान सभा चुनावों की योजना बनाए तो उनको अगली विधान सभा में 300 का आँकड़ा पार करना मुश्किल न होगा। ऐसा करने के लिए उन्हें इंडिया' गठबंधन के दलों को भी अपने साथ लेकर चलना होगा। जिस तरह भाजपा हर समय चुनावी मूड में रहती है यदि विपक्षी पार्टियाँ भी उसी मूड में रहें तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे पायेंगी।इसके साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही इस बात पर भी तैयार रहना चाहिए कि यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो गठबंधन की सरकार ही विकल्प होता है। यदि कोई भी दल इस अहंकार में रहे कि वो एक बड़ा और प्रभावशाली राजनैतिक दल है और विपक्ष दर्शक दीर्घा में बैठने के लिए है तो फिर उसे तब झटका लगेगा ही जब उसे सरकार बनाने के लिए अन्य दलों के आगे झुकना पड़ेगा।हर दल को जनता के फ़ैसले का सम्मान करना चाहिए और अपनी हार स्वीकार लेनी चाहिए। गठबंधन की सरकार में हर वो दल जिसके पास अच्छी संख्या हो वह किसी न किसी बात पर उखड़ भी सकता है। इसलिए भलाई इसी में है कि अपनी ग़लतियों से सबक़ लिया जाए और सबका साथ और सबका विकास अमल में लाया जाए।

**-रजनीश कपूर-**

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# विकास की सार्थकता पर सवाल



वैसे तो वर्तमान विकास की विसंगतियां कई स्तरों पर नजर आ रही हैं, पर स्थिति तब और भी स्पष्ट हो जाती है, जब इस विकास की दौड़ में सबसे आगे माने जाने वाले देशों में भी लोग इस विकास की सार्थकता के बारे में सवाल खड़े करने लगें। ब्रिटिश सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (ब्रिटिश समाज शास्त्र अनुसंधान परिषद) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में ऐसे ही सवाल सामने आए हैं।इस सर्वेक्षण में पांच वर्षों के दौरान तीन बार 1500 सामान्य नागरिकों के सैंपल से पूछा गया कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए वे किन बातों को महत्त्व देते हैं और क्या उन्हें लगता है कि जीवन पहले से बेहतर हो रहा है या नहीं। ब्रिटेन के समाज को (अन्य पश्चिमी विकसित देशों की तरह) काफी भौतिकवादी माना जाता है पर 71 प्रतिशत लोगों ने जीवन की गुणवत्ता (क्वालिटी) के बढने या जीवन बेहतर होने में जिन बातों को महत्त्व दिया उनका आय या दौलत के बढने से कोई संबंध नहीं था।उपभोक्ता वस्तुओं से अधिक महत्त्व अच्छे पारिवारिक जीवन' और संतोष की स्थिति' को देने वाले लोगों की संख्या अधिक थी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात जो इस सर्वेक्षण में सामने आई वह यह थी कि लगभग सभी नागरिकों के मत में पिछले पांच वर्षों में उन्हें उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा बढ़ गई थी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता कम हो गई थी। इतना ही नहीं, लगभग सभी लोगों ने यह विचार भी व्यक्त किया कि अगले पांच वर्षों में यही स्थिति और आगे बढने की संभावना है-उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा और बढ़ जाएगी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता और घट जाएगी।इस सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है कि वर्तमान विकास की विसंगतियों पर जोर देना केवल जीवन की गहराई में गोता लगाने वाले कुछ दर्शनशास्त्रियों या पर्यावरणविद् तक ही सीमित नहीं है अपितु इस विकास के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले देशों के सामान्य लोग भी अब इस पीड़ा को समझ रहे हैं, चाहे विकल्पों के अभाव में इस पीड़ा से बाहर निकलने की कोई दि अभी न मिल रही हो।प्रायः प्रति व्यक्ति आय को किसी देश के विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण द्योतक माना जाता है। चाहे दो राष्ट्रों की तुलना करनी हो या एक ही राष्ट्र की वर्तमान स्थिति की कुछ समय पहले की स्थिति से तुलना करनी हो, सबसे प्रचलित तरीका यही अपनाया जाता है कि राष्ट्रीय आय को जनसंख्या से विभाजित कर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त कर ली जाती है। लेकिन अब अनेक अर्थशास्त्री व अन्य विद्वान राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय को वास्तविक विकास का द्योतक मानने के बारे में अनेक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाने लगे हैं। राष्ट्रीय आय में सब तरह की वस्तुओं व सेवाओं को जोड़ा जाता है, इस बात को कोई महत्त्व नहीं दिया जाता है कि वह वस्तु जन-कल्याण से जुड़ी है या समाज के लिए हानिकारक है।यदि किसी देश में एक दशक के दौरान अन्य बातें समान हैं पर शराब, तंबाकू, वेश्यावृत्ति और जुआघरों में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है तो राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों के अनुसार विकास की गति काफी तेज मानी जाएगी। राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय द्वारा विकास को जानने की एक अन्य प्रमुख कमी यह है कि पर्यावरण को होने वाली क्षति का उचित आकलन इसमें नहीं होता है अपितु कई बार तो विपरीत आकलन होता है। एक देश में वनों को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि भविष्य में जल व मिट्टी संरक्षण का कार्य अच्छी तरह से होता रहे, दूसरे देश में कुछ ही वर्षों में सारे जंगलों को काटकर उनकी लकड़ी बेच दी जाती है व इससे प्राप्त धनराशि को तरह-तरह के अनैतिक कायरे में खर्च कर दिया जाता है। राष्ट्रीय आय के आंकड़े तो यही बताएंगे कि दूसरे देश में अधिक विकास हुआ है क्योंकि लकड़ी काटने व बेचने से प्राप्त धनराशि की गिनती राष्ट्रीय आय में हो जाएगी। किसी भी देश के लोगों की आर्थिक स्थिति से अलग बहुत सी बातें होती हैं जो प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों की पहुंच से बहुत दूर हैं। उस देश में भाईचारे और अच्छे नागरिक होने की भावना कितनी प्रबल है, पारिवारिक संबंध बेहतर हो रहे हैं या बिगड़ रहे हैं, शिक्षा पण्ाली कैसी है, बचपन कितना सुरक्षित है ऐसी कितनी ही बातें हैं जो प्रति व्यक्ति आय की परिधि से बाहर हैं।

**-भारत डोगरा-**

# सोशल मीडिया



मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

आज के समय में जिस हिसाब से सोशल मीडिया का दौर बढ़ते जा रहा है। उस अनुसार शायद ही ऐसा कोई इंसान बचेगा जो सोशल मीडिया इस्तेमाल नहीं करता होगा। सोशल मीडिया ऑक्सीजन की तरह हो गया है, जैसे हमें जीने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है। ठीक उसी तरह इस दुनिया में जीने के लिए हमें सोशल मीडिया पर आना जरूरी हो गया है। बिना फोन बिना सोशल मीडिया के आज के समय में कोई भी काम संभव नहीं लगता है। चलिए इसकी वजह जानते हैं जैसे की आप सभी जानते हैं हर किसी को फोन की जरूरत होती हैं। अब मान लीजिए एक विद्यार्थी जो अपने गांव से शहर गया है पढ़ने के लिए तो क्या उसको फोन की जरूरत होगी या नहीं? लेखिका के अनुसार उस विद्यार्थी को फोन की आवश्यकता होगी। पहली वजह क्योंकि वह अपने गांव से शहर की तरफ आ रहा है तो उसके माता-पिता को काफी चिंता लगी रहेगी कि मेरा बेटा कैसा है? कहां है? इसकी जानकारी देने के लिए विद्यार्थी के पास फोन होना चाहिए। दूसरा वजह वो विद्यार्थी है पढ़ने आया है गांव से अगर उसे कोई प्रश्न नहीं आ रहा है तो वो अकेले कमरे में किससे पूछेगा उस वक्त वो फोन के माध्यम से उस प्रश्न को समझ सकता है तो उसे पढ़ने के लिए फोन की आवश्यकता है। जब विद्यार्थी अकेले रूम में रहता हैं तो कई बार उनका मन नहीं लगता और विद्यार्थी का कमरा है तो वहां पर टीवी या अदर फैसिलिटी आपको कहां से देखने को मिलेगी। इसलिए वो मोबाइल के माध्यम से समय-समय पर सोशल मीडिया की वीडियो देखकर अपना मन लगता है। यह सकारात्मक सोच की बात थी। अब एक नकारात्मक बात जो हमारे समाज को खराब करती जा रही है उसके बारे में जानते हैं। आजकल आप सभी देखते होंगे एक-दो साल के बच्चे जो अभी अभी जन्मे हैं। उन्हें क्या पता कि फोन क्या होता है? सोशल मीडिया क्या होता है? तो वहाँ माँ-बाप खुद बच्चों को फोन और सोशल मीडिया का लत लगाना शुरू करते हैं। मान लिजिए बच्चा बहुत रो रहा है परेशान कर रहा है सिर्फ उसे चुप करवाने के लिए हम लोग फोन दिखाना स्टार्ट कर देते हैं। क्यों करते हैं? सिर्फ इसलिए ना कि हमारा बच्चा जो इतना रो रहा है वो चुप हो जाए और माँ अपना दूसरे काम जल्दी से कर ले लेकिन यह गलत है यही से तो प्रभाव पड़ रहा है बच्चों पर। आपने उसे खाना खिलाने के लिए फोन दिखाना शुरू किया अब बिना फोन के खाना खाते नहीं है बच्चें।अब बच्चे तो इतने स्मार्ट हो गए हैं आज के कि क्या बताया जाए? आप कितना भी फोन का पासवर्ड लगा दो वह जान जाएंगे और वह खुद यूट्यूब पर वीडियो सर्च करके अपनी पसंद की वीडियो देखने लगेंगे। आप फोन छीनोगे तो फिर चिल्लाने लगेंगे क्योंकि वह जानते हैं आपने उसे चुप करने के लिए ही तो फोन दिया था और अब फोन छीनोगे तो वह कैसे बर्दाश्त कर पाएगा। वह तो चिल्लाएगे ही फिर धीरे-धीरे बच्चों को आदत लग जाती है और वो ये भी समझ जाते हैं कि उनके रोने और चिल्लाने पर उनको फोन मिल ही जाएगा। आज के समय में पहले जैसा खेल भी नहीं होता है कि बच्चें मैदान में खेल सकें। वजह? क्योंकि बच्चों को मिट्टी से एलर्जी हो गई है गर्मी में ज्यादा वह लोग बाहर नहीं निकाल पाते ठंड में ठंड लगती है तो बाहर नहीं निकाल पाते तो किसी भी वजह से लोग बाहर तो मैदान में खेलना बहुत ही कम कर चुके हैं। जो है सोशल मीडिया पर ही है तो जब बच्चों को पता चलता है कि अच्छा सोशल मीडिया पर हम खेल भी सकते हैं तो बच्चे लूडो, सांप-सीढ़ी बहुत सारी गेम डाउनलोड कर लेते हैं और इधर से बच्चे को फोन के प्रति प्रेम बढ़ जाती है। फिर वह देखते हैं कि मेरी माँ जो अपनी मां से या अपनी बहन से घंटो घंटो बात कर रही हैं तो बच्चों पर इसका भी प्रभाव पड़ता है। बच्चे जब देखते हैं कि मेरी मां बात कर रही है तो मैं भी बात करूं तो वह पहले अपने रिश्तेदार में बात करना शुरू करते हैं। फिर वह जब थोड़े बड़े हो जाते तो अपने दोस्तों के नंबर पर कॉल करते और घंटों बात चीत करते है। माँ-बाप के बोलने पर बच्चें बोलते हैं मेरी दोस्त है मुझे बात करना फिर वह अपने दोस्तों से बात करना शुरू करते हैं और गलती से अगर उस उम्र में उनकी किसी दोस्त के पास अपना फोन है तब तो उस बच्चें को फोन चाहिए ही चाहिए। फोन के लिए खाना नहीं खाना, खूब चिल्लाना, पढ़ाई नहीं करना और यह सब आदत अपनाकर वह अपना नया फोन ले लेते हैं और जब बच्चे के पास अपना फोन आ जाता है तो वह अपना फोन समझ लेते हैं बिल्कुल अपना यानी उसमें वह किस तरह की वीडियो देख रहे हैं मां-बाप को नहीं पता, वह किस बात कर रहे हैं मां-बाप को नहीं पता, वह रात-रात भर चैट कर रहे हैं किससे बात कर रहे हैं उन्हें नहीं पता। अभी सोशल मीडिया पर बहुत सारे प्लेटफार्म है जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर इन सब पर वह लोग अपनी आईडी बना लेते हैं और फिर कोई अपना डांस स्टार्ट कर देते हैं, तो कुछ राजनीति में आ जाते हैं और कुछ जिंदगी बना लेते हैं और कुछ खराब कर लेते हैं। इसलिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल अपने आवश्यकता अनुसार करें और हमेशा कुछ नया और अच्छा करने का प्रयास करें।।

# सरगुजा साहित्य जगत के जाजल्यमान सितारे



बंशीधर लाल (सेवानिवृत्त प्राचार्य)
अम्बिकापुर वार्ड क्रमांक-2
भगवानपुर पंजाब गार्डन
के पीछे सरगुजा
छत्तीसगढ़

सरगुजा क्षेत्र में जन सामान्य के बीच भावामि व्यक्ति का जो माध्यम प्रचलित हैं उस बोली को सरगुजिहा बोली कहा जाता हैं।आधुनिक भाषा वैज्ञानिक इस बोली को छत्तीसगढ़ की उपभाषा मानते हैं इस प्रकार इसे सरगुजिहा छत्तीसगढ़ी कहा जाने लगा हैं ।इस बोली में काव्य परम्परा कब कैसे और कहाँ जन्म ली इसका अध्ययन निश्चय ही शोध का विषय हैं जो रोचक होने के साथ ज्ञान वृद्धक भी होगा और समय की शिक्षा में जो दफन हो चुके हैं ऐसे काव्यों और कालाकारों से नयी पीढी रूबरू हो सकेगी।यह स्मरणीय है कि सरगुजा एक ऐसा भू-भाग हैं जो विशाल क्षेत्र में विस्तीर्ण हैं।इसकी अपनी अलग पहचान हैं।इसकी अपनी विशिष्ट संस्कृति हैं। इसकी अपनी विशिष्टता हैं। यही कारण हैं कि यहाँ का काव्य जगत भी विशिष्ट हो गया हैं यहाँ प्रकृति ने मुक्त हस्त से जो उपहार दिये हैं वे एक ओर जहां दुर्गामाता की सृष्टि करते हैं।वहीं भू-भाग की सम्पदा का मानदण्ड भी निर्मित करते हैं। यह सच हैं कि क्षेत्र की दुर्गामाता ने लम्बे समय तक इस भू-भाग को आधुनिकता के प्रभाव से मुक्त रखा । यहां की जन-जीवन प्राकृतिक जन-जीवन रहा। आम नागरिक सरल स्वभाव के भोले-भाले और सादगी पसंद हैं। यहाँ जो कुछ था वह प्राकृतिक था इस पकार सरगुजा क्षेत्र के सास्कृतिक स्वरूप को दो खण्डो में देखा जा सकता हैं।प्रथम खण्ड स्वतंत्रता पूर्ण का और द्वितीय खण्ड सन 1947अर्थात स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद का इस प्रकार यहां साहित्य में भी दो प्रवृत्तिया स्पष्ट रूप से परिलाक्षित होती हैं। जिन्हें रचनाकारों ने अपनी-अपनी कृतियों में उकेरा हैं प्रशासनिक दृष्टि से अविभाजित सरगुजा जिले में सरगुजा कोरिया और चांगभखार नामक तीन देशी रियासतों को विलीन किया गया था। वह अविभाजित सरगुजा जिला ही वास्तव में सरगुजिहा बोली का क्षेत्र हैं।यद्यपि जिले के सीमान्त क्षेत्र में बिहारी बघेली भोजपुरी आदि बोलियों का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता हैं। रीति- रिवाज-बोल्चाल -का अन्तर उस तथ्य को प्रमाणित करता हैं कि -

**कोस-कोस पर पानी बदले**
**दस कोस पर बानी**

लेकिन इसे स्वीकार करने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए कि सरगुजिहा बोली का मूक्त स्वरूप तत्कालीन सरगुजिहा रियासत की बोली पर आधारित हैं इसमें रियासत का योगदान उल्लेखनीय हैं।

प्राप्त साहित्यिक प्रमाण से ज्ञात होता हैं कि नाट्य शास्त्र प्रणेता भरत वात्स्यायन नागार्जुन जैसे महान साहित्य पुरोधा इस क्षेत्र को विभूषित कर चुके हैं।ऐसे साक्ष्य हैं कि सरगुजा में स्थित रामगढ़ की नाट्यशाला भरत मुनि से जुड जाती हैं।भारतीय रंगमंच का अम्मुदय ईसा की दूसरी शतांब्दि के पुर्व सरगुजा में हुआ जो सीतावोंगरा और जोंगीमाणा गुफा के रूप में आज प्राप्त हैं।इस प्रकार कहा जा सकता हैं कि लगभग 2500 वर्ष इस सरगुजा में रंगशाला स्थापित हो चुकी थी उसमें रावा पार्ठ नाट्य-नृत्य अभिनव के कार्यक्रम आयोजित हुआ करते थे। रामगढ की गुफाओं के भित्ति चित्र वात्स्यायन कामसूत्र से जुडे हैं और नागार्जुन का दर्शन सरगुजा की शान्त वादियों की देन हैं। कालीदास का मेघदुत निर्विवाद रूप से रामगढ़ में रचा गया और भवभूति का उत्तर (रामचरित यशोवर्धन के शासन काल में रामगढ़ में अभिनित हुआ।इस प्रकार सरगुजा का प्राचीन काल साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अति गौरवशाली रहा हैं। मध्यकाल साहित्यिक और सांस्कृतिक रूप में रिक्त काल खण्ड जैसा प्रतीत होता हैं परन्तु वास्तविकता पर से गहन शोध के बाद ही परदा उठ सकता हैं।

सरगुजा में आधुनिक काल का पदार्पण सरगुजा महाराज रघुनाथ शरण सिंहदेव के शासन काल से माना जा सकता हैं। महाराजा साहब स्वयं साहित्य प्रेमी और सृजेता थे। यही उनकी मातुश्री महारानी भगवती कुँवर ने भी साहित्य श्री रघुनाथ शरण सिंहदेव का शासन काल सन् 1879 से1917 तक रहा । इस बीच सरगुजा शिक्षा स्वास्थ्य और संचार संबंधी कार्य बडे पैमाने पर विस्तार प्राप्त किये। महाराजा साहब द्वारा रचित ग्रंथ- रघुनाथ प्रकाश श्री रघुनाथ बहार फ़ाग चरित श्री प्रभाती भजन संग्रह क्षाभजन संध्या (संस्कृत भाषा में)प्रमाणित रूप से स्वीकृत किये गये हैं जिन्हे सार्वजनिक रूप में प्रकाशित किये जाने चाहिए। इसी अवधि में आधुनिक हिन्दी साहित्य का जन्म सरगुजा में हुआ। सरगुजा की माटी यह एक सुखद संयोग मिला कि महान उपन्यासकार देवकी नन्दन खत्री आचार्य रामचन्द शुक्ल डॉ.बलदेव प्रसाद मिश्र अभिरानी प्रसाद मिश्र जैसे अनेक विद्वान अपने साहित्य सृजन का विषय सरगुजा प्राकृतिक सुषमा को बनाये।

यह उल्लेखनीय है कि साहित्य सृजन का माध्यम खड़ी बोली हिन्दी या व्रजभाषा रही। परन्तु दरबार के कवियों और स्वयं महाराजा साहब की रचनाओं में सरगुजिहा बोली का झलकने लगा था यह भी ध्यान देने योग्य बिन्दु हैं। कि उक्त काल खण्ड में लोक बोली आपसी संचार का माध्यम थी पर उसका रूप चिन्हित नहीं किया जा सकता हैं ।महाराजा साहब भी रघुनाथ शरण सिंहदेव रचित निम्नलिखित पद दृष्टव्या हैं-

**बागन और अधिक छबि लाग**
**झुकी रही सब तहन की डारी**
**मन हरसावत काम बढावत**
**चलत पलत सीतक श्रमहारी।।**
**पोषकों में हारिक सुगना हो रामा**
**उडि गये लागत चइतवा हो रामा**
**पालि के सुगना बडें में कइकों**
**अब पढेंलागत पोथिया पुरनवा हो रामा।।**

इसी क्रम बड़ी महारानी साहिबा अर्थात महारानी भगवती कुँवर साहिबा रचित भगवती प्रकाशित से उद्धृत पद भी दृष्टव्य हैं-

**राम गुन गावों मोरे रामा**
**में तो नाम गाम नी जानों**
**कहा राम सबके हो रामा ।।**
**बन में बसले कि थल में बसले कि**
**सरगवा में मोरे रामा।।**
**हम अजानी रहिया भुलानी**
**डगरिया बतावा मोरे रामा।।**

निश्चय ही उद्धृत पदों से सरगुजिहा बोली के पदार्पण की चाप सुनायी पड़ती हैं। सन् 1928 में पाण्डेय बंशीधर शर्मा की कहानी हीरू प्रकाशित हुई पर भी शर्मा राजदरबारी थे या नहीं ज्ञांत नहीं हैं। महाराजा श्री रघुनाथ शरण सिंहदेव के शासन काल में अनेक साहित्यकार सक्रिय रहें।श्री गोपाल शर्मा का भाषा बाल्मीकीय रामायण कलाद्रुम बाल्मीकि रामायण का गद्यानुवाद और कवि रामनाथ कृत श्री अर्क सेल वंशावली छंन्दवद्ध रचना उल्लेखनीय है। पं. राधिका प्रसाद भी महाराजा साहब के दरबारी कवि के रूप में जाने जाते थे।

महाराजा श्री रघुनाथ शरण सिंहदेव के उत्तराधिकारी महाराजा श्री रामानुज शरण सिंहदेव सरगुजा के सिंहासन रूप हुए और देश की स्वतंत्रता तक रियासत का विकास सर्वागीर्ण रूप में करते रहे। इस अवधि में साहित्य का स्वरूप भी निखरा। आपके शासन काल में राजकवि के रूप में अंबिका प्रसाद भट्ट 'अंबिकेश नियुक्त थे जिन्होने छन्दवृद्ध शैली में श्री अर्कसेल वंशावली का संशोधन किया।इसकी भाषा भी ब्रज रही पर सरगुजिया की खनक बनी रही। श्रीमान् के शासन काल में-

**हिष्ट्री आफ सरगुजा स्टेट आइडियल किगंशिप**
**गंगा लहरी सरगुजा राज्य का संक्षिप्त भूगोल**

सब ग्रंथन को रस-

जैसी पुस्तके अंग्रेजी हिन्दी संस्कृत भाषा में लिखी गयीं। इस साहित्य श्रृखला में एक कडी के रूप में सरगुजा रियासत की महारानी साहिबा -रानी कृष्ण कुमारी का विशिष्ट योगदान हैं। आपके सन् 1937 में मिधारा नामक एक कहानी संग्रह प्रकाशित कराया।

स्मरणीय हैं कि गंगा लहरी के रचयिता की फतह बहादुर और सरगुजा को संक्षिप्त भूगोल की लेखक सूरज प्रसाद श्रीवास्तव थें। जैसा कि पूर्व में संकेत किया गया है कि सरगुजा के विकास का द्वितीय चरण स्वतंत्रता के साथ प्रारम्भ होता हैं। रियासत के विलीनीकरण कें पश्चात् दरबारी कवि परम्परा का अवसान हो गया।अब स्वंतत्र लेखन का श्रीगणेश भारत के अन्य भागों के समान सरगुजा में भी हो गया। यह लेखन खडी बोली हिन्दी में हुआ।शिक्षा के प्रसार के साथ स्थानीय और प्रवासी विद्वान इस दिशा में सक्रिय होने लगे। सरगुजा की बोली में लेखन नहीं हो रहा था।क्योंकि बोली का निर्धारित स्वरूप नहीं था।नवशिक्षित लोग उसे स्वीकारने में संकोच करते थे। कुछ लोगों ने पयास किया तो ओ छत्तीसगढ़ी का विकृत रूप मानकर उपेक्षित किया गया।ऐसी विकट स्थिति में भी सरगुजा वीरान नही हुआ। सन् 1962में ग्राम कुरवाँ निवासी वर्तमान जिला-सूरजपुर में काशी राम द्विवेदी का काव्य ग्रंथसार प्रकाशित हुआ। उदाहरण- -उक्त ग्रंथ से-

**सोचित बदन प्रभू नैना ढारे लोर**
**अब का अवध पुर मुँह मै देखाहूँ**
**नारी पिता बन्धु गंवाये ढारे मोर**
**ऐसे विलाप सुनि बोले विभीसन**
**सुनो श्री रघुवीर विनती मोर**
**रावन का वैद सुखेन कहावे**
**दावा वीरो ला वो तो प्रभु जाने बड़ा जोर।**
**वो के ला लानि प्रभु दावा करवा**
**अभि लछन मइया उठिहें तोर।।**
**सजीवनी बुटी सुखेन बताईस**
**आजु के राती पिआइहा घोर**
**बेरिया के चढ़े लछन नहीं बाचैही**
**अइसे कहिके कर जोरे प्रभु ओर।।**

ऐसा लगता हैं कि सरगुजिहा बोली में लिखी गयी प्रथम काव्यामयराम कथा हैं। यह अनुसंधान का विषय हो सकता हैं।इससे राम काव्यधारा का सरगुजा में स्वरूप निर्धारित हो सकता हैं।

स्वतंत्र भारत में जन शिक्षा क्रांति का श्री गणेश हुआ सरगुजा भी अछुता नहीं रहा शिक्षण संस्थाओं के विकास-विस्तार से देश के विभिन विकसित क्षेत्रों से विद्वान शिक्षक के रूप में तथा अन्य शासकीय सेवकों के रूप में पदस्थ हो कर सरगुजा के साहित्यिक-सांस्कृतिक स्वरूप में अपना योगदान करने लगे।अनेक संस्थायें बनी अनेक संगठन बने और 26 दिसंबर 1976 में जब आकाशवाणी केन्द्र अंबिकापुर की स्थापना हुयी। तो लेखक की कवि- लेखन की हिन्दी और सरगुजिहा में अतीव वृद्धि हुयी। नागरिक साहित्यकार और स्वतंत्र लेखन की लम्बी श्रृंखला बन गयी जिसके ओर-छोर का निर्धारण छोटे से आलेख में दुष्कर हैं। कुछ विशेष विद्वानों का उल्लेख करने का लोभ संवरण नहीं कर पा रहा हूँ ऐसे में 12 मई 1939में जन्में श्री पद्येश पाण्डेय का स्मरण उनकी पक्तियों से कर रहा हूं-

**नदी कर लहर कस हमर जिन्दगी**
**कभों इहां कभों उहाँ कभों कहाँ;,**

इस क्रय में पं. योगेश्वर पाण्डेय का वंश दर्पण भी स्मृति पटल पर उभर रहा हैं। ऐसे स्वतंत्र साहित्यकारों को विना क्रम निर्धारण के आधार को स्मरण करा कर शोध करने की दिशा दिखाने का प्रयास कर रहा हूँ। लाल समर बहादुर सिंहदेव बाबू लाल जैन जंलज उत्तमचन्द गोयल रामदेव पाण्डेय प्रथम पी.एच.डी. क्रांतिकुमार जैन श्रीमती कुन्तक गोयल आदि-आदि।

नवीनतम पीढ़ी में पं.सुन्दरलाल शर्मा सम्मान से अंलकृत पं. जीवन नाथ मिश्र स्व.श्री अनिरूद्ध तीरव के योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता हैं। इन सबके अतिरिक्त भीम पितामह सदृश स्वं श्री राम प्यारे रसिक को याद कर हृदय श्रद्धा और विश्वास से भर जाता हैं।श्री रसिक जी का सरगुजिहा रामायन कलम - ए-रसिक जंगली प्रजातंत्र तथा श्री नीरव का तार -तार झंकार और आगी लगाबे - स्मरणीय कृतियाँ है।

इस क्रम में यह उल्लेख आवश्यक है कि अविभाजित सरगुजा में अनेक संस्थायें कार्य कर रही हैं जो समय समय पर आयोजन करती हैं और महिला- पुरूष कलमकारों की भीड़ तो हो रही हैं। सरगुजा के सांस्कृतिक वैभव का परचम माया नगरी मुम्बई तक पहर रहा हैं। ऐसी संस्थाओं में से एक संस्था -भारतेन्दु कला साहित्य समिति अंबिकापुर - का स्थान विशिष्ट हैं। इसके संस्थापक स्व. श्री जीवन नाथ मिश्र थे। कलमकारों का एक मण्डल उसी प्रकार रचना जैसा कि कभी भारतेन्दु जी ने रचा था।श्री मिश्र ने -समय के द्वार से मानसी, परशुराम ,अपना देश, संवेदना के स्वर ,लोक नायक राम अहल्या जैसी कृतियों से सरगुजा साहित्य को समृद्ध किया। इस दिशा में सरगुजा विश्वविद्यालय अंबिकापुर से पहल करने की अपेक्षा की जा रही हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना



## पिता



लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
(छत्तीसगढ़)

पिता है तो विश्वास और हिम्मत है
हर बच्चे की उत्साह और आश है।
दिखने मे तो नारियल का फल है
पर ओ तो अंदर से कुछ खास है।।
पिता संघर्ष की अमिट कहानी है
मेरे हर समस्या का समाधान है।
संघर्ष से लड़ने की अचूक अस्त्र है
मेरे जीवन की अनमोल वरदान है।।
पिता जिम्मेदारी से लदी मालगाड़ी है
रूठे बच्चों को मनाने का खिलौना है
पूरा परिवार की सर्वोत्तम सवारी है
नींद लगने पर कंधा उत्तम बिछौना है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

CMYK

# इस वर्ष भी नवनिहाल जर्जर स्कूल में ही बैठकर ग्रहण करेंगे शिक्षा

## नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत 18 से 328 स्कूलों में मरम्मत कार्य नहीं हो सकता पूर्ण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरकारी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत 18 जून से होगी। इसके लिए महज दो दिन शेष बचे हैं। वहीं जिले के अधिकांश स्कूलों में मरम्मत कार्य अभी भी पूर्ण नहीं हो सका है। बच्चे इस वर्ष भी जर्जर स्कूल भवन में ही पढ़ाई करने को मजबूर होंगे। क्यों के स्कूलों में मरम्मत कार्य कछुए की चाल से चल रही है। बारिश के मौसम में स्कूल की छत से टपकते पानी व गिरने प्लास्टर के खतरों के बीच बैठकर बच्चे शिक्षा ग्रहण करेंगे। शिक्षा विभाग की उदासीनता के कारण इस वर्ष भी बच्चे जर्जर स्कूल भवनों में ही शिक्षा ग्रहण करेंगे। इस दौरान बच्चों को कई परेशानियों से होकर गुजरना पड़ेगा। जबकि जिले में 1404 स्कूल भवन जर्जर स्थिति में है। जिन्हें मरम्मत की आवश्यकता है। वहीं मुख्यमंत्री

स्कूल जतन योजना के तहत जर्जर स्कूल भवनों को मरम्मत कराया जाना था। शिक्षा विभाग व निर्माण एजेंसियों की उदासिनता के कारण जिले के 217 जर्जर स्कूल भवनों का निर्माण कार्य तक शुरू नहीं कराया गया। वहीं 111 स्कूलों में निर्माण कार्य चल रहे हैं। जो अभी तक पूर्ण नहीं हो सका है। जबकि वर्ष 2024-25 शैक्षणिक सत्र की शुरूआत 18 जून से होनी है। दो दिन बाद सभी सरकारी स्कूल खुल जाएंगे। वहीं जिले के 328 स्कूलों का हाल अभी भी ठीक नहीं है। 111 स्कूलों में निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण पूर्ण होने में अभी और सजय लग सकता है। इस स्थिति में 18 जून से बच्चे स्कूल में बैठकर कैसे पढ़ाई कर पाएंगे। जबकि शिक्षा विभाग द्वारा 1076 स्कूल भवनों का मरम्मत कार्य पूर्ण होने का दावा किया जा रहा है। जिले के सबसे पुराने मल्टीपरपज स्कूल का भी मरम्मत कार्य अभी पूर्ण नहीं हो सका है। चारों तरफ निर्माण सामग्री बिखरे पड़े हैं। वहीं भवनों का मरम्मत कार्य अभी भी चल रहा है। मरम्मत कार्य पूर्ण होने में भी दो से तीन माह का समय और लग सकता है। जबकि यह स्कूल जिला मुख्यालय के अंदर है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी स्कूलों का यह हौल है तो ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों का क्या हाल हो सकता है। शिक्षा विभाग व निर्माण एजेंसी की लापरवाही के कारण जिले के 217 स्कूल भवनों में मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका है। वहीं 111 स्कूल का मरम्मत कार्य चल रहा है। वहीं जिन स्कूलों में मरम्मत कार्य चल रहा है वहां निर्माण सामग्री पड़े हुए हैं। स्कूल के कमरों से डेस्क-बेंच बाहर फेंका पड़ा है। कमरों का निर्माण आधे-अधूरे हैं। ऐसे स्थिति में 18 जून से बच्चे स्कूल में बैठकर पढ़ाई करना कितना मुश्किल होगए यह अंदाजा लगाया जा सकता है। जिले में 1404 स्कूल भवन जर्जर हैं। इन स्कूल भवनों में निर्माण व मरम्मत कार्य के लिए मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत 110 करोड़ रुपए जारी किया गया है। इसके बावजूद भी 328 स्कूल भवनों का मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण नहीं हो सकता है। वहीं शिक्षा विभाग का दावा है कि जिले के 1076 स्कूल भवनों में निर्माण कार्य समय पर पूर्ण करा लिया गया है।

> स्कूलों में मरम्मत कार्य अभी चल रहे हैं। 1076 स्कूलों का मरम्मत कार्य पूर्ण करा लिया गया है। शेष स्कूलां में मरम्मत कार्य चल रहा है। जल्द ही पूर्ण करा लिया जाएगा। निर्माण एजेंसी को जल्द से जल्द निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।
>
> **अशोक सिन्हा,**
> **जिला शिक्षा अधिकारी**

# शांति समिति की बैठक,सौहार्दपूर्ण स्थिति बनाये रखने की अपील

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिले के समस्त थाना, चौकी प्रभारियों द्वारा प्रत्येक ग्राम स्तर पर शांति समिति की बैठक आयोजित कर सौहार्दपूर्ण स्तिथि बनाये रखने की अपील की गई है। आमनागरिकों का विश्वास हासिल करने पुलिस टीम द्वारा आमजनता के बीच जाकर सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की जा रही है। शांति समिति की बैठक में सुरक्षा व्यवस्था में आमनागरिकों की भूमिका एवं भागीदारी पर चर्चा कर विभिन्न उपायों पर सार्थक बातचीत की गई। पुलिस ने आमनागरिकों से सामाजिक समरसता बनाये रखने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली किसी को गलत सूचना को प्रसारित न करने की अपील की है।

# किसानों की सुविधा के लिए अवकाश के दिनों में भी खाद-बीज का वितरण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर ने रविवार को उदयपुर विकासखंड का दौरा कर विभिन्न आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों का निरीक्षण कर खाद-बीज के भण्डारण और वितरण की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पीएमजीएसवाई द्वारा निर्माणाधीन सडक़ झिरमिट्टी-उदयपुर मुख्य मार्ग का भी निरीक्षण किया और शीघ्र निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने भ्रमण के दौरान आदिम जाति सेवा सहकारी समिति डांडगांव, ख़म्हरिया, और सलका का निरीक्षण किया। समिति पहुंचकर उन्होंने किसानों से खाद बीज वितरण पर फीडबैक लिया। उन्होंने किसानों से खेती का रकबा, केसीसी कार्ड, खाद-बीज का रेट और समय पर खाद-बीज मिलने की जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधक से यूरिया, सुपरफास्ट, डीएपी आदि खादों और विभिन्न किस्मों के धान बीज के स्टॉक की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अवकाश के दिनों में भी समिति के खुले रहने की सूचना की गांवों में मुनादी करवाएं जिससे लोगों तक ज्यादा से ज्यादा जानकारी पहुंचे। जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के सीईओ

ने बताया कि जिले में 17075.28 क्विंटल बीज का भंडारण हो चुका है और किसानों को 7628.02 क्विंटल बीज वितरण किया जा चुका है। इसी तरह जिले में खरीफ 2024 अंतर्गत 51015.68 टन रासायनिक खाद भण्डारण किया गया है। जिसमें से 35572.30 टन रासायनिक खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है। खरीफ विपणन वर्ष 2024 में खाद बीज का भंण्डारण, वितरण एवं ऋण वितरण कार्य में प्रगति एवं लक्ष्य के अनुरूप किए जाने हेतु समितियां सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित की जा रही हैं। अवकाश के दिनों में भी समितियां खुली हैं तथा किसानों को खाद एवं बीज का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर एसडीएम उदयपुर बीआर खांडे सहित खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# रोग नाशक और सर्वव्याधि विनाशक है अनुष्ठान

## समणी जी ने भक्तांबर स्रोत का अनुष्ठान कराया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर में समणी जी ने रविवार को भगतांबर स्रोत का अनुष्ठान किया। इस अनुष्ठान को मनुष्य के रोगों एवं सर्व व्याधि विनाशक बताया और कहां की यह अनुष्ठान समस्त मानव जीवन में बहुत ही प्रभावकारी रहता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित होकर धर्म लाभ लिए। समणी विपुल प्रज्ञा एवं समणी आदर्श प्रज्ञा द्वारा सबसे पहले आत्मा को शुद्ध करने के लिए और शांत करने के लिए मेडिटेशन कराया गया। मेडिटेशन के बाद मंत्र उच्चारण के साथ भक्तांबर स्त्रोत का पाठन किया गया जो की समणी के ही द्वारा स्पष्ट शब्दों में कराया गया। अंबिकापुर जैन तेरापंथी समाज के अध्यक्ष मनोज डागा ने बताया कि ऐसा आनंदमय प्रोग्राम अंबिकापुर में पहली बार हुआ है और साथ

ही इस प्रोग्राम में सबसे अधिक उपस्थिति हुई है। अनेक परिवार ने छोटी-बड़ी तपस्या और त्याग करके इस अनुष्ठान को सफल बनाया है। मनेंद्रगढ़ से पधारे पंकज संचेती ने अंबिकापुर सभा का धन्यवाद देते हुए समाज के सभी परिवार को धर्म के प्रति सचेत रहने का विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में तोलाराम मालू (विश्रामपुर), श्रवण जैन (सूरजपुर), शुभकरण मेहनोत कन्हैयालाल चौरडिया, पवन चौरडिया, मदन सेठिया, पवन बोथरा एवं कार्यक्रम में जैन तेरापंथी सभा, जैन तेरापंथी महिला मंडल एवं जैन तेरापंथी युवक परिषद के श्रावक श्राविका एवं बालक बालिकाएं उपस्थित रहे।

# 1 वर्षीय मासूम बच्ची को सुलाकर मां ने कमरे में लगा ली फांसी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

शहर रके सदर रोड में शनिवार की रात को 1 वर्षीय मासूम बच्ची को सुलाकर मां ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रात करीब 2 बजे बच्ची की नींद खुली तो बिस्तर पर मां को न पाकर वह रोने लगी। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर बरामदे में सो रहा पिता कमरे में जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। पत्नी का शव फंदे पर झूल रहा था और दूधमुही बच्ची उसके नीचे बैठकर रो रही थी।

रानी केशरी पति विनित केशरी उम्र 27 वर्ष कोतवाली थाना क्षेत्र के सदर रोड की रहने वाली थी। वह शनिवार की रात को खाना खाने के बाद रात करीब 11.30 बजे अपने 1 वर्षीय बेटी को लेकर कमरे में

सोने चली गई। इसका पति घर के बरामदे में सो रहा था। रात करीब 2 बजे अचाने बच्ची रोने लगी। बेटी के रोने की आवाज सुनकर बरामदे में सो रहा पिता जाकर देखा तो उसकी पत्नी फंदे पर झूल रही थी। उसके नीचे बेटी बैठकर रो रही थी। इसे देखकर पति के होश उड़ गए और वह घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन ने घटना की जानकारी सबसे पहले रात को ही मृतका के मायके वालों को दी। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। सुबह पुलिस मौके पर जांच करने पहुंची। एसआई अभिषेक दुबे ने बताया कि मृतका के भाई व मायके वालों ने पति पर हत्या कर फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया है। वहीं मामला नवविवाहिता के होने के कारण एफएसएल व तहसीलदार की उपस्थिति में जांच कराई गई। वहीं दो चिकित्सकों की मौजूदगी में मृतका के शव का पीएम कराया गया। वहीं पति का कहना है कि मृतका का मानसिक स्थिति कुछ दिनों से ठीक नहीं था। इसका इलाज अंबिकापुर व रांची में चल रहा था। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

# ताइक्वांडो क्लब पुलिस लाइन में मनाया गया स्थापना दिवस

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

ताइक्कांडो क्लब पुलिस लाइन का स्थापना दिवस 14 जून को धूमधाम से बनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो थे। इस दौरान एएसपी ने कहा कि आत्मरक्षा के लिए ताइक्कांडो बहुत ही आवश्यक है। विशेषिकर लड़कियों को इसकी ट्रेनिंग अवश्य लेनी चाहिए। ताकि विपरित परिस्थिति में अपनी आत्मरक्षा कर सकें। पुलिस लाइन ताइक्कांटों क्लाब में आरक्षक राधेश्याम मानिकपुरी द्वारा निःशुक दिया जाता है। यहां प्रशिक्षण लेकर कई बालक व बालिकाएं कई बड़े प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं और सफलता पाए हैं। कार्यक्रम के

दौरान क्लब के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। वहीं ताइक्कांडों का भी प्रदर्शन किया गया। जिसे देखकर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि चंभित रह गए। इस दौरान विजय अग्रवाल, संरक्षक ताइक्कांडो संघ लखनपुर , प्रदीप गुप्ता उपाध्यक्ष ताइक्कांडो संघ लखनपुर , देवेश वर्मा कार्यकारिणी अध्यक्ष ताइक्कांडो संघ लखनपुर, शंकर कश्यप सहायक उप निरीक्षक रक्षित केंद्र अंबिकापुर, देवनारायण कश्यप , वीरेंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में थे। कार्यक्रम का संचालन मीना वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मनीष श्रीवास्तव , बसंत कुटिया, चंद्रहास शर्मा, आकाश विश्वास, फरीद, दीपेश कृष्णा रंजन, ऋषभ यादव, शताक्षी वर्मा, मनीष सिंह, प्रिया रानी, वैशाली चौबे, शगुन चौबे, अपूर्वा सिंह, आरुषि कश्यप, संध्या गायकवाड , सादगी कश्यप , उन्नति मित्तल, मुस्कान तिवारी, मानसी , संजीवनी यादव, प्रज्ञवती भगत, अदिति, कृतिका, अन्वेशा के अलावाव अभिभावक एवं पुलिस परिवार के लोग शामिल रहे।

# सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
बतौली,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

बतौली मुख्य मार्ग स्थित सूने मकान का ताला तोडक़र 53 हजार नगदी सहित अन्य सामान चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार आशीष गुप्ता बतौली का रहने वाला है। इसका बतौली मुख्य मार्ग स्थित पोस्ट ऑफिस के बगल में घर है। 11 जून को घर में ताला बंद कर आशीष गुप्ता पारिवारिक कार्यक्रम में

शामिल होने भटगांव गया था। 14 जून को वापस लौटा तो घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉक टूटा हुआ था और अलमारी से 53 हजार रुपए नकदी सहित 1 नग आईफोन नहीं थे। आशीष ने मामले की रिपोर्ट बतौली थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेही अजय पैकरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह चोरी करने की बात स्वीकार ली। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि 13 जून की रात को आशीष गुप्ता के सूने मकान के पीछे की दीवार फांदकर लोहे के चाकू से खिडक़ी के स्क्रू को खोलकर घर के अंदर घुसकर चोरी करने की बात स्वीकार की है। आरोपी ने अलमारी में रखे पुराना मोबाइल और 5 सौ रुपए चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई पुराना मोबाइल जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी जय पैकरा उम्र 19 वर्ष निवासी झरगवां खालपारा थाना बतौली के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक भरत लाल साहू, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक संजय गुप्ता, आरक्षक राजेश खलखो, मनीष सिंह, जितेश साहू, अमित विश्वकर्मा शामिल रहे।

CMYK

## खतरनाक जेल : जहां सूरज की रोशनी भी नसीब नहीं होती, लोहे के बिस्तर पर सोते हैं कैदी

लंदन - दुनिया में जैसे-जैसे जुर्म बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे बेहतर और सुरक्षित जेलों की जरूरत पड़ना लाजमी है। ऐसे में कई देशों ने अपने यहां ऐसे स्पेशल जेल बनाए हैं, जिसमें चिड़िया भी परिंदा भी पर नहीं मार सकता। सेंट्रल अमेरिका में मौजूद देश, एल सैलवाडोर भी ऐसा ही एक देश है, जहां एक खास तरह का जेल बनाया गया है। इस जेल में बेहद खूंखार कैदी होते हैं। यूं तो इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं, मगर उनके रहने की जो स्थिति है, वो बेहद बुरी है और

अंदर की तस्वीरें आपको हैरान कर देंगी। इस जेल में 24 घंटे आर्टिफिशियल लाइट जलती है। जो कैदी एक बार इसके अंदर आ जाता है, वो सूरज की रोशनी नहीं देख पाता। कैदियों को चावल, अंडे, पास्ता, आदि जैसी चीजें परोसी जाती हैं, पर उन्हें ये सब हाथ से ही खाना पड़ता है क्योंकि चाकू-छुरी से वो हमला कर सकते हैं। 100 स्क्वायर मीटर के सेल में 2 टॉयलेट और 2 सिंक है जिसे कैदियों को शेयर करना पड़ता है। उन्हें सिर्फ लोहे की पतली चादर से बने बिस्तर पर सोना पड़ता है। उन्हें पूरे दिन में 30 मिनट खाली वक्त मिलता है, जिसमें वो एक्सरसाइज कर सकते हैं। हालांकि, उस दौरान उन्हें डंबल या अन्य जिम के अपकरण नहीं मिलते हैं। ह्यूमन राइट्स ग्रुप्स इसे मानवाधिकार का ब्लैक होल कहते हैं, जो मानवाधिकार के सारे नियमों-अधिकारों को निगल जाता है। इस जेल में देश के खूंखार अपराधी, ड्रग्स तस्कर, हत्यारे आदि मौजूद हैं। उन्हें काबू में करने के लिए सिपाहियों को कई तरह के हथियार दिए गए हैं। कैदियों के शरीर पर उनके गैंग के निशान टैटू के रूप में बने रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एल सैलवाडोर के टेकोल्यूका शहर में टेरिरिज्म कंफाइनमेंट सेंटर बनाया गया है। इसका निर्माण जनवरी 2023 में पूरा हुआ था और इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं। देश में जुर्म का स्तर काफी ज्यादा था, इस वजह से वहां के राष्ट्रपति नाएब बुकेले ने प्रण लिया था कि वो अपराध को कम करेंगे। नार्को गैंग पर शिकंजा कस्ते हुए उनके राज में ताबड़तोड़ छापेमारी और गिरफ्तारियां हुईं। जिसके बाद बीते 20 महीनों में 70 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकतर कैदियों को इस जेल में डाला गया। ये एक अभेद्य किला है, जिसके अंदर किसी बहारी के लिए घुस पाना, या कैदियों के लिए बाहर निकल पाना असंभव है।

## गाजा में 8 इजराइली सैनिक मारे गए, बख्तरबंद टैंक में विस्फोट

तेल अवीव। दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में शनिवार को हुए विस्फोट में 8 इजराइली सैनिक मारे गए। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक, ये सभी सैनिक नेमर नाम के बख्तरबंद कॉम्बैट इंजीनियरिंग व्हीकल के अंदर थे। जनवरी में गाजा में एक ब्लास्ट में 21 इजराइली सैनिक मारे गए थे, उसके बाद यह पहला ऐसा हादसा है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में सैनिक मारे गए हैं। आईडीएफ ने बताया कि हादसा स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। राफा के तल अल-सुल्तान इलाके के उत्तरपश्चिमी हिस्से में हमास के आतंकी ठिकानों को तबाह करने निकली इजराइली सेना की एक टुकड़ी करीब 50 आतंकियों को मारकर लौट रही थी। तभी काफिले का एक वाहन ब्लास्ट की चपेट में आ गया। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि अब तक हमें जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह ब्लास्ट इलाके में प्लांट किए गए विस्फोटकों में हुआ या सेना के काफिले की तरफ एंटी-टैंक मिसाइल फायर की गई थी। ब्लास्ट इतना भीषण था कि मरने वाले सैनिकों में से सिर्फ एक की पहचान हो सकी है।

## 48 साल के शख्स के 165 बच्चे

न्यूयार्क। अमेरिका के ब्रुकलिन में रहने वाले 48 साल के एरी नेगल के पूरी दुनिया में 165 बच्चे हैं। नेगल पेशे के मैथ्स के प्रोफेसर हैं, जो स्पर्म डोनेट करने का काम करते हैं। वे अब तक अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका समेत दुनिया के हर कोने में महिलाओं को स्पर्म डोनेट कर चुके हैं। इस वजह से उन्हें स्पर्मिनेटर का टैग भी दिया गया है। फादर्स डे से 4 दिन पहले 12 जून को नेगल की 165वीं संतान का जन्म हुआ। उन्होंने कहा है कि जब मैं 50 साल का हो जाउंगा तब स्पर्म डोनेट करना बंद कर दूंगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें डर है कि 50 की उम्र में स्पर्म डोनेट करने से ऑटिज्म जैसी गंभीर मानसिक बीमारी का खतरा हो सकता है।

## जापान में फैला मांस खाने वाला घातक बैक्टीरिया, महज 2 दिन में ले सकता है लोगों की जान

नई दिल्ली। जापान में एक दुर्लभ मांस खाने वाले बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी फैल रही है, जो 48 घंटों के भीतर लोगों की जान ले सकती है। यह बीमारी जापान में कोविड-काल के प्रतिबंधों में ढील देने के बाद फैल रही है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फेक्शियस डिजीज के अनुसार, स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (एसटीएसएस) एक आक्रामक बीमारी है जो संक्रमण के 48 घंटों के भीतर घातक हो सकती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज के अनुसार, इस साल 2 जून तक जापान में एसटीएसएस के 977 मामले सामने आए हैं, जो पिछले साल दर्ज किए गए रिकॉर्ड 941 मामलों से ज्यादा है। यह संस्थान 1विनोद उपाध्याय / 16 जून, 2024 से इस बीमारी के मामलों पर नजर रख रहा है।

**बीमारी के लक्षण**- ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (जीएएस) आमतौर पर बच्चों के गले में सूजन और गले में खराश पैदा करता है, जिसे स्ट्रेप थ्रोट के रूप में जाना जाता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, कुछ प्रकार के बैक्टीरिया के कारण लक्षण तेजी से विकसित हो सकते हैं, जिसमें अंगों में दर्द और सूजन, बुखार, लो ब्रेड प्रेशर शामिल हैं, जिसके बाद नेक्रोसिस, सांस लेने में समस्या, ऑर्गन फेल्योर और मौत तक हो सकती है। टोक्यो महिला चिकित्सा विश्वविद्यालय में संक्रामक रोगों के प्रोफेसर केन किकुची ने बताया कि अधिकांश मौतें 48 घंटों के भीतर हो रही है। जैसे ही मरीज को सुबह पैर में सूजन दिखती है, दोपहर तक यह घुटने तक फैल सकती है और 48 घंटों के भीतर उनकी मौत हो सकती है।

**30 फीसदी तक पहुंच सकती है मृत्यु दर**- 50 से अधिक उम्र के लोगों में इस बीमारी का खतरा अधिक होता है। किकुची ने बताया कि संक्रमण की मौजूदा दर पर, जापान में इस साल मामलों की संख्या 2,500 तक पहुंच सकती है और मृत्यु दर 30 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। किकुची ने लोगों से हाथ की स्वच्छता बनाए रखने और किसी भी खुले घाव का इलाज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा है कि मरीजों की आंतों में ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस हो सकता है, जो मल के जरिए हाथों को दूषित कर सकता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, जापान के अलावा, कई अन्य देशों में भी हाल ही में स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम के प्रकोप के मामले सामने आए हैं। 2022 के अंत में, कम से कम पांच यूरोपीय देशों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को इनवेसिव ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस बीमारी के मामलों में हो रही बढ़ोतरी की सूचना दी थी।

## आतंकी हमले में सोमालिया के 8 जवान शहीद, 11 घायल

मोगादिशु। सोमालिया के खाड़ी क्षेत्र में सड़क किनारे हुए विस्फोट में एक वरिष्ठ कमांडर समेत सोमाली राष्ट्रीय सेना के 8 सैनिकों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हमले की जिम्मेदारी अल-शबाब ने ली है। सोमालिया सरकार ने अल-कायदा से जुड़े इस आतंकवादी संगठन के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। एसएनए के रक्षा बल के प्रमुख इब्राहिम शेख मुहिदीन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सेना कमांडर मोहम्मद ढेरे ने सेक्टर 60 में सोमालिया सेना की आठवीं बटालियन का नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान सैन्य वाहन एक विस्फोटक उपकरण की चपेट में आ गया, जिससे कमांडर समेत 8 जवानों की मौत हो गई। इस विस्फोट में 11 जवान घायल हुए हैं। मुहिदीन ने कहा कि यह घटना जिरागारोब गांव के पास हुई। यह गांव बेरडेल शहर के बाहरी इलाके में अल-शबाब चरमपंथी समूह का गढ़ है।

बाली, इंडोनेशिया में बाली कला महोत्सव 2024 के दौरान परेड करते कलाकार। इस वर्ष का बाली कला महोत्सव 15 जून से 13 जुलाई तक आयोजित किया गया है।

## सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टली, नासा ने दूसरी बार टाली स्टारलाइनर की लैंडिंग

वॉशिंगटन । भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टल गई है। ये दूसरा मौका है जब इन दोनों एस्ट्रोनॉट्स की वापसी को टाला गया है। पहली घोषणा 9 जून को की गई थी, जिसमें बताया गया था कि विल्मोर और विलियम्स की वापसी को 18 जून तक आगे बढ़ाया गया है। बोइंग का स्टारलाइनर मिशन बुधवार 5 जून को रात 8:22 बजे लॉन्च हुआ था। फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से यूएलए के एटलस वी रॉकेट से लॉन्च किया गया था। स्पेसक्राफ्ट अगले दिन यानी, 6 जून को रात 11:03 बजे आईएसएस पहुंचा था।

इसे रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में परेशानी आ गई थी। विल्मोर और विलियम्स स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट और उसके सब सिस्टम की टेस्टिंग के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहने वाले थे, लेकिन दो बार देरी के कारण अब मिशन ड्यूरेशन करीब 2 हफ्ते का हो गया है। नासा के अधिकारी 22 जून को एस्ट्रोनॉट्स की वापसी से पहले दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में लैंडिंग लोकेशन्स मौसम की स्थिति का आकलन करेंगे।

## मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने क्या कुछ कहा?

**बारी (इटली) (एजेंसी)।** द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद कुछ ''बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों'' से निपटने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता है। मोदी ने शुक्रवार को दोनों नेताओं के हाथ मिलाने की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें कहा गया है, ''जी 7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।''

दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक खालिस्तान समर्थक चरमपंथ को लेकर तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच पहली बैठक है। इससे पहले, ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि कनाडाई अधिकारी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता से संबंधित ''विश्वसनीय आरोपों की सक्रियता से'' जांच कर रहे हैं।

पिछले वर्ष कनाडा द्वारा लगाये गए आरोपों को विदेश मंत्रालय ने ''बेतुका और प्रेरित'' बताते हुए दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया था। ट्रूडो ने शनिवार को तीन दिवसीय जी7 शिखर सम्मेलन के समापन पर संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''मैं इस महत्वपूर्ण, संवेदनशील मुद्दे के विवरण में नहीं जाऊंगा, जिस पर हमें आगे काम करने की

आवश्यकता है। लेकिन यह आने वाले समय में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए एक साथ काम करने की प्रतिबद्धता है।''

शुक्रवार शाम बैठक के तुरंत बाद, कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेताओं ने ''द्विपक्षीय संबंधों पर संक्षिप्त चर्चा'' की, जिस दौरान ट्रूडो ने मोदी को उनके पुनः निर्वाचित होने पर बधाई भी दी। कनाडा की प्रेस समाचार एजेंसी ने प्रवक्ता एन-क्लारा वैलानकोर्ट के हवाले से कहा, ''बेशक, इस समय हमारे दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। आप समझ सकते हैं कि हम इस समय कोई और बयान नहीं देंगे।''

भारत का कहना रहा है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपने भू-भाग से संचालित हो रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को जगह दे रहा है। भारत ने कनाडा को बार-बार अपनी ''गहरी चिंताओं'' से अवगत कराया है और नयी दिल्ली को उम्मीद है कि ओटावा उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

## अमेरिका चाहता है कि ताइवान पर हमला करे चीन: शी जिनपिंग

**बीजिंग ।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। राष्ट्रपति का दावा है कि अमेरिका ताइवान से युद्ध करने के लिए चीन को उकसा रहा है वो चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीनी राष्ट्रपति का मानना था कि अमेरिका चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को बताया कि अमेरिका ताइवान पर हमले के लिए चीन को उकसाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि जिनपिंग ने अपने घरेलू अधिकारियों को भी चेतावनी दी है।

शी ने अप्रैल 2023 में वॉन डेर लेयेन के साथ मीटिंग की थी। रिपोर्ट में कई लोगों के बयान के आधार पर बताया गया कि जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका चीन को ताइवान पर हमला करने के लिए बरगलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वह ऐसा नहीं करेगा। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि जिनपिंग ने अपने अधिकारियों को भी इस तरह की चेतावनी दी थी। यह खुलासा ताइवान को लेकर शी के विचारों के बारे में बताता है, जो अमेरिका-चीन के बीच सबसे तनावपूर्ण मुद्दा है। रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ संघर्ष से चीन की कई उपलब्धियां नष्ट हो जाएंगी। इससे 2049 तक एक बड़ा कायाकल्प करने का उनका लक्ष्य कमजोर होगा। यह खुलासा तब हुआ है जब ताइवान जलडमरू मध्य में तनाव बढ़ने लगा है। चीन ने मई में ताइवान के नए राष्ट्रपति के पद संभालने के जवाब में द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास किया था। ताइवान संबंध अधिनियम के तहत ताइवान को रक्षा प्रदान करना अमेरिका का दायित्व है। कुछ चीनी शिक्षाविदों और रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि अमेरिका ताइवान को हथियार देकर चीन को सैन्य टकराव में फंसाने के लिए अन्य उपाय करके बीजिंग को उकसाने में लगा है। जनवरी में एशिया सोसायटी में बोलते हुए वॉशिंगटन में पूर्व चीनी राजदूत कुई तियानकाई ने अमेरिका के परोक्ष संदर्भ में कहा, चीन उस जाल में नहीं फंसेगा जो हमारे लिए बनाया जा रहा है। वॉन डेर लेयेन को कही गई बातें जिनपिंग का पहला ज्ञात मामला माना जा रहा है।

## विदेशी सहायता, आईएमएफ पैकेज पर निर्भरता समाप्त करने को प्रतिबद्ध : पीएम शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है। शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। पाकिस्तान सरकार वर्तमान में आईएमएफ के साथ छह से आठ अरब डॉलर के कर्ज के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तान धीमी गति से चल रही अर्थव्यवस्था में चूक को रोकने का प्रयास कर रहा है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि हर पैसा देश और उसके लोगों की प्रगति पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने खर्च कम करने और पांच साल के भीतर युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

## इंसानों के रुप में हमारे ही बीच रह रहे हैं एलियन : हार्वर्ड यूनिवर्सिटी

**हार्वर्ड (एजेंसी)।** हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक हालिया स्टडी में दावा किया गया है कि एलियन हमारे बीच रहे हैं, शायद वे ज़मीन के नीचे या चांद पर रहते हों। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन फ्लोरिशिंग प्रोग्राम ने यह भी कहा है कि यूएफओ अंतरिक्ष यान हो सकते हैं जो पृथ्वी पर रहने वाले अपने किसी एलियन दोस्तों से मिलने आते हैं। अध्ययन में बताया गया है कि 'अज्ञात असामान्य घटना जिन्हें आम तौर पर यूएफओ और परग्रह प्राणी कहा जाता है, वे शायद चांद की निचली सतह में रहते हों या यहां तक कि हमारे बीच घूमते हों। इस शोध में इस विचार को भी परखा गया है कि यूएफओ पृथ्वी पर रहने वाले अपने 'एलियन दोस्तों' से मिलने के लिए आने वाले अंतरिक्ष यान हो सकते हैं। हार्वर्ड वाले यह भी मानते हैं कि कुछ और सबूत और कहानियां हैं जो बताती हैं कि शायद धरती पर ही कई बुद्धिमान जीव रहते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते। इन जीवों को छिपे हुए धरतीवासी (क्रिप्टोटेरेस्ट्रियल) का

नाम दिया गया है। ये तो मानो धरती के देवदूत हैं! ये प्राणी टेक्नोलॉजी की बजाय जादू का इस्तेमाल करते हैं और इंसानों से मेलजोल रखते हैं, बिल्कुल परियों या बौनों जैसा। लेकिन, ये कहानी थोड़ी अजीब जरूर लगती है, खासकर उन लोगों को जो सिर्फसाइंस की ही बात मानते हैं।अध्ययन करने वाले मानते हैं कि ज्यादातर वैज्ञानिक उनके इस शोध को शायद ही गंभीरता से लें। फिर भी, वो वैज्ञानिक समुदाय से गुजारिश करते हैं कि वे उनके दावों पर ÷खुले दिमाग और ज्ञान को स्वीकारने की भावना÷ के साथ विचार करें। बताया जा रहा है कि इस शोध पत्र की अभी तक किसी और वैज्ञानिक ने जांच नहीं की है।

## दक्षिणी गाजा में 10 लाख विस्थापित फंसे, खाना और पानी तक नहीं हो रहा नसीब

**गाजा (एजेंसी)।** दक्षिणी गाजा में दस लाख विस्थापित लोग साफ पानी या बुनियादी मानवीय सुविधाओं के बिना फंसे हुए हैं और विनाश का स्तर चौंकाने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ का कहना है कि इलाज से जुड़े सूत्रों ने अल जजीरा को बताया कि शुक्रवार को गाजा में 25 फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा शहर के तुफ्फाह इलाके के पड़ोस में एक हमले में एक शिशु की मौत हो गई, जहां 30 लोग घायल भी हुए।

गाजा में एक और फिलिस्तीनी किशोर की भूख से मौत हो गई है। 14 साल का फिलिस्तीनी लड़का मुस्तफा गाजा में कुपोषण से मरने वाला नया पीड़ित है। किशोर के माता-पिता फ़िलिस्तीनी इलाके पर इजरायल के हमले के कारण उत्तरी गाजा से

विस्थापित हुए थे। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने इजरायली सेना पर खाने-पीने के सामानों को रोकने का आरोप लगाया है, जो युद्धग्रस्त क्षेत्र में बच्चों को भूख से बचा सकते थे। मुस्तफा उन 28 बच्चों में से एक है, जो अब गाजा में इजरायल के हमले के कारण फैली भुखमरी के कारण मर गए हैं। अगर जल्द ही गाजा में खाने-पीने का समान नहीं पहुंचाया गया तो उसकी एक बड़ी आबादी भूख और कुपोषण से मर जाएगी। गाजा में कुपोषण बढ़ने की उम्मीद है, और विश्व खाद्य कार्यक्रम ने नवंबर की शुरुआत में ही चेतावनी दे दी थी कि कुपोषण बढ़ रहा है और गाजा में आपातकालीन सहायता की आवश्यकता है। वहीं हमास की हथियारबंद शाखा कस्साम ब्रिगेड का कहना है कि इजरायली सेना के हवाई हमलों में गाजा पट्टी में समूह द्वारा पकड़े गए दो इजरायली बंदी मारे गए हैं। इटली में शिखर सम्मेलन के समापन पर जी-7 के नेताओं ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी को गाजा में बिना किसी बाधा के काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के युद्ध में कम से कम 37,266 लोग मारे गए हैं और 85,102 घायल हुए हैं। हमास के हमलों में इजरायल में मरने वालों की संख्या 1,139 है और दर्जनों लोग अभी भी गाजा में बंदी हैं।

## पाकिस्तान में खूब बढ़ रहे हैं गधे, इनसे चाइनीज का है बड़ा कनेक्शन

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान में पिछले तीन-चार सालों में देश में गधों की आबादी में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। पाकिस्तान में गधों की संख्या तेजी से बढ़कर 59 लाख तक पहुंच गई है। पाकिस्तान में हुए 2023-24 के इकोनॉमिक सर्वे में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान में गधों की संख्या में 1.74 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जारी आंकड़ों से पता चलता है कि 'बोझ ढोने वाले जानवरों' की संख्या 2019-2020 में 55 लाख थी। यह संख्या 2020-21 में 56 लाख, 2021-22 में 57 लाख और 2022-23 में 58 लाख थी। पाकिस्तान में गधों की बढ़ती संख्या का एक कारण उसका सदाबहार सहयोगी चीन है। पाकिस्तान के लिए गधे बढ़ना विदेशी मुद्रा कमाने का एक मौका भी है। पाकिस्तान से चीन हर साल बड़ी संख्या में गधे मंगवाता है।रिपोर्ट के अनुसार, देश में स्थानीय मांग बढ़ने और उत्पादन कम होने के कारण चीन दूसरे देशों से गधों और कुत्तों का आयात करना चाह रहा था। औसतन हर साल 5 लाख गधे चीन को बेचे जाते हैं। इन गधों का इस्तेमाल चीन में मीट, शक्तिवर्धक औषधियों से लेकर पहाड़ी इलाकों में सामान ढोने के लिए किया जाता है।

पाकिस्तान सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था में मदद करने के लिए गधों का निर्यात करने के इरादे से अपने पंजाब प्रांत के ओकारा जिले में 3,000 एकड़ से अधिक का एक फार्म भी स्थापित किया था। अपनी तरह के पहले सरकारी स्वामित्व वाले फार्म का उपयोग चीन और अन्य देशों में निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिकी सहित अच्छी नस्ल के गधों को पालने के लिए किया जाता है। चीन पहले अपने गधों का स्टॉक नाइजर और बुर्किना फासो से आयात करता था, जब तक कि दोनों पश्चिमी अफ्रीकी देशों ने उनके निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगा दिया था। गधे कई पाकिस्तानियों की आखिरी उम्मीद हैं, खास करके उन लोगों के लिए जो ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। ग्रामीण इलाकों में अर्थव्यवस्था इन जानवरों के साथ गहराई तक जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में गधों का बेहद महत्व है। वे इन इलाकों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। इन्हें कृषि से जुड़े कार्यों व यातायात के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

# पौधों को लगाने में प्रशासन का लाखों खर्च पर उसकी सुरक्षा किसकी जिम्मेदारी ?

**कृषि विज्ञान केंद्र कोरिया ने 15 एकड़ भूमि पर 41.27 लाख रुपए खर्च कर एक हजार नारियल के पौधे व औषधीय पौधे लगाए थे जो जीवित नहीं रहे**

**क्या प्रशासन के लिए पौधे लगाना सिर्फ औपचारिकता या फिर महत्वपूर्ण दायित्व ?**

**मनरेगा से 41 लाख रुपए खर्च के बाद भी पौधे नहीं रहेगी जीवित...लाखों खर्च करने के बावजूद पौधे को पेड़ नहीं बनाया जा सका क्यों ?**

-रवि सिंह-
कोरिया,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

दिन प्रतिदिन जलवायु परिवर्तन हो रहा जिसकी सिर्फ एक वजह है पेड़ों की कमी, इस समय पेड़ों की कमी मनुष्य जीवन पर कितना असर डाल रही है यह किसी से छुपा नहीं है 2024 की गर्मी भी इस बात का एहसास दिला गई कि पेड़ कितना जरूरी है और जिंदगी के लिए पेड़ अब कितना महत्वपूर्ण हो चुका है इसी बीच हम उन पलों को भी याद करें जब पोधे को लगाने में हर साल करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं पर खर्च किए गए पैसे सिर्फ पौधे लगाने तक ही रहते हैं वह पौधे पेड़ क्यों नहीं बन पाए यह सवाल बड़ा होता जा रहा है? इसके पीछे की सिर्फ एक मुख्य वजह है पौधे लगाने में भी भ्रष्टाचार, पौधे लगाते हैं काम और दिखाया जाता है ज्यादा और उसके आड में लाखों का भ्रष्टाचार हो जाता है, मानव अपनी ही जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा है और मानव वह भी है जो पौधों के नाम पर भ्रष्टाचार कर रहा है जबकि पौधे से पेड़ यदि बनेगा तो उसका लाभ सभी को होना है पर इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग भ्रष्टाचार करने पर आतुर क्यों? वही जिस विभाग पर पौधे लगाना और पेड़ बचाने की जिम्मेदारी है वह भी विभाग इस खराब पर्यावरण का जिम्मेदार है वह विभाग के ईमानदारी से अपना काम नहीं कर रहा जिस वजह से पेड़ नष्ट हो रहा है और पौधों से पेड़ तैयार नहीं हो रहा है वन विभाग अपने मूल कर्तव्य से भटक कर सिर्फ भ्रष्टाचार व निर्माण में व्यस्त है उसे भी पेड़ों की जरूरत नहीं है?

### केवीके से जानकारी लेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे

अब पौधों के सूखने के बाद जिला पंचायत के सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी का कहना है कि आपके माध्यम से जानकारी सामने आई है, लेकिन केवीके के अनुसार इसमें आशा अनुरूप सफलता नहीं हुई। सीईओ ने कहा कि केवीके से जानकारी लेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के ग्राम पंचायत फूलपुर के शंकरपुर में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत कृषि विज्ञान केंद्र कोरिया ने 15 एकड़ भूमि पर 41.27 लाख रुपए खर्च कर एक हजार नारियल के पौधे व औषधीय पौधे लगाए थे पर यहां एक भी पौधा जीवित नहीं बचा है। सिंचाई सुविधा के अभाव में पौधे मर गए। आपको बता दें कि नारियल के पौधे जिस भूमि पर लगे थे वह जमीन पथरीली और टीले पर है। सिंचाई व्यवस्था के लिए केवीके ने यहां बोर खनन भी करवाया, लेकिन बोर में पानी नहीं मिला। झुमका बांध से पाइप कनेक्शन कर पानी लाने की योजना भी आगे नहीं बढ़ सकी। जिले में नारियल की मांग 12 महीने रहती है, इसे देखते हुए केवीके ने 6 से 8 माह के नारियल पौधों का रोपण किया था। पौधे बढ़ने भी लगे थे, लेकिन सिंचाई सुविधा के अभाव में पौधे जीवित नहीं बचे। केवीके ने मनरेगा के तहत तीन अलग-अलग स्वीकृति में कार्य को पूरा किया था। इसके तहत 15 एकड़ भूमि का समतलीकरण, फेंसिंग, गड्ढा खनन के साथ पौधे लगाए गए थे। विभाग के अनुसार साल 2020-21 में शुरू हुए कार्य में पहली प्रशासकीय स्वीकृति 13.09 लाख रुपए की मिली थी। इसमें श्रमिक लागत पर 8.38 लाख रुपए व सामग्री पर 4.71 लाख रुपए खर्च किए गए थे। दूसरी स्वीकृति 14.37 लाख थी, श्रमिक लागत 8.56 लाख व सामग्री पर 5.81 लाख रुपए लगे थे। वहीं तीसरी स्वीकृति 13.18 लाख रुपए थी। इसमें श्रमिकों को 3.55 लाख का भुगतान व सामग्री पर 9.63 लाख रुपए खर्च हुए।

# कलेक्टर निर्देश पर ग्राम कटगोड़ी में शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

## रास्ते की भूमि से अतिक्रमण हटाने पर ग्रामीण को होगी आवागमन की सुविधा

-संवाददाता-
कोरिया,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोनहत श्री राकेश साहू के मार्गदर्शन में विगत दिवस सोनहत तहसील के अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में शासकीय भूमि खसरा नम्बर 613 में रकबा 0.19 हेक्टेयर जो रास्ता मद की भूमि है। जिससे कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया था। ग्रामवासीयों के शिकायत प्राप्त होने पर तहसीलदार सोनहत द्वारा राजस्व निरीक्षक, पटवारीयों की टीम गठित कर राजस्व अमला, पुलिस बल, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव एवं ग्राम वासियों के सहयोग से अतिक्रमणकर्ता श्री सुरेंद्र, दादूराम, नन्हूराम, अर्जुन, विजेंद्र, राजेंद्र, सभी कटगोड़ी निवासी के द्वारा उक्त रास्ते मद की भूमि को सकरा कर दिया गया था जिसे उक्त टीम द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया। तहसीलदार ने पटवारीयों को निर्देशित किया कि किसी भी ग्राम में सार्वजनिक स्थल पर जैसे सड़क रास्ता, स्कूल खेल मैदान, तालाब, गौठान, शमशान घाट का स्थान आदि स्थल पर अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल सूचना देना को कहा है। उन्होंने कहा कि यदि पटवारी सूचना देने में विलंब करते हैं या उनके संज्ञान में आने के बाद भी अतिक्रमण कार्य जारी रहता है तो संबंधित के खिलाफ अनुशांसनात्मक कार्यवाही की जाएगी। आने वाले दिनों में अवैध अतिक्रमणकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाया जाएगा। जिससे शासकीय भूमि का संरक्षण किया जा सके एवं अवैध अतिक्रमण कर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही में तेजी लाया जा सके।

# मयंक सिंह ने स्ट्रॉन्गमैन इंडिया लीग में जीती राष्ट्रीय चैंपियनशिप

## छत्तीसगढ़ और शहर का गौरव बढ़ाया

-संवाददाता-
एमसीबी,16 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला एमसीबी मनेंद्रगढ़ वाशिष्ठ पत्रकार महेंद्र प्रताप सिंह के होनहार बेटे मयंक सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य तथा जिले और शहर का गौरव बढ़ाया है। मयंक ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से शहर को राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है।

मयंक ने स्ट्रॉन्गमैन इंडिया लीग राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अंडर 60 किग्रा वर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर शहर, ज़िले और राज्य का मान बढ़ाया है। यह चैंपियनशिप मुंबई, महाराष्ट्र के वसई में आयोजित की गई थी, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ियों ने भाग लिया था। छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए मयंक ने अपनी जीत दर्ज कराई। मयंक सिंह बीते एक वर्ष में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने पावरलिफ्टिंग और स्ट्रॉन्गमैन इंडिया लीग जैसी प्रतियोगिताओं में कुल 14 स्वर्ण पदक, 3 रजत पदक और 1 कांस्य पदक जीते हैं। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हर चैंपियनशिप में उन्होंने अपने शहर, ज़िले और राज्य का नाम रोशन किया है। साधारण परिवार से आने वाले मयंक ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान बजरंगबली, अपने माता-पिता और अपने गुरु गुरविंदर सिंह जी को दिया है। मयंक का सपना है कि वह देश के लिए पदक जीतें और भारत का झंडा विश्व पटल पर सबसे ऊँचा लहराएँ। उनके इस मनोबल और दृढ़ संकल्प ने उन्हें आज इस मुकाम पर पहुँचाया है। मयंक की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे शहर के लिए गर्व की बात है। उनकी मेहनत और लगन ने साबित कर दिया है कि अगर लक्ष्य को पाने का जुनून हो तो कोई भी बाधा सफलता की राह में आड़े नहीं आ सकती। मयंक के पिता ने मीडिया को बताया कि राज्य सरकार को राष्ट्रीय स्तर के होनहार बच्चों के लिए पहल करनी चाहिए।

# पूर्व की भांति अब प्रत्येक सोमवार को कलेक्ट्रेट में जनचौपाल होगा आयोजित

-संवाददाता-
कोरिया,16 जून 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन संपन्न होने के फलस्वरूप आमजनों की समस्याओं के निराकरण कर राहत पहुँचाने के लिए जिला कार्यालय कोरबा में आयोजित होने वाली कलेक्टर जनचौपाल पूर्व की भांति प्रत्येक सोमवार को प्रातः 11 बजे प्रारम्भ होगा। कलेक्टर अजीत वसंत जनचौपाल के माध्यम से अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीणों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनकर उनका प्राथमिकता से निराकरण करेंगे। गौरतलब है कि सोमवार 17 जून 2024 को बकरीद/ईद उल अधा पर्व की शासकीय अवकाश होने के कारण आगामी 24 जून से जिला कार्यालय में सोमवार को जनचौपाल आयोजित होंगे।

# विक्षिप्त व्यक्ति का रेस्क्यू कर भेजा गया मानसिक चिकित्सालय

-संवाददाता-
कोरिया,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग अमले द्वारा ग्राम खरवत एवं छिन्दडाड़ के आसपास घुम रहे दो विक्षिप्त व्यक्ति श्री राजू एवं दीना का रेस्क्यू कर जिला चिकत्सालय में इलाज कराये जाने के बाद मानसिक चिकत्सालय सेंदरी बिलासपुर रेफर किया गया। जिससे उनका इलाज बेहतर हो सके एवं इलाज पश्चात पुनर्वासित किया जा सकेगा उक्त कार्य में जिला पंचायत के श्री तरुण रघुवंशी, अभिषेक सिंह, सुश्री हीना, दीपेश घोष, सचिन समाज कल्याण विभाग एवं विशेष रूप से चिकित्सा विभाग, पुलिस विभाग का प्रयास सराहनीय रहा। गौरतलब है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा इस तरह के मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों का बेहतर इलाज व सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

# मुक्तिधाम को गंदगी से नहीं मिल रही मुक्ति

-संवाददाता-
कोरिया,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नगर पालिका क्षेत्र शिवपुर चरचा में हाईवे किनारे स्थित मुक्तिधाम में अव्यवस्था व उपेक्षा को लेकर लोगों में नाराजगी है। मुक्तिधाम में चारों ओर गंदगी व कचरा फैला हुआ है, यहां पानी तक की सुविधा नहीं है। ऐसे में मृतक के अंतिम संस्कार के दौरान लोगों व परिवार जनों को दिक्कत होती है। शहर के लोगों का कहना है कि नगर पालिका के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व अधिकारी यहां साफ-सफाई को लेकर ध्यान नहीं देते हैं। मुक्तिधाम की स्थिति सुधारने कोई पहल नहीं की जा रही है। मुक्तिधाम में आने वाले लोगों के बैठने तक की व्यवस्था नहीं है। यहां नियमित साफ-सफाई नहीं होने के कारण गंदगी फैली हुई है। चारों ओर गाय के गोबर पड़े हैं वहीं झाड़ियां उग आई हैं। जिस कारण मुक्तिधाम में शवदाह करने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्रिया-कर्म के लिए वे स्वयं पानी की व्यवस्था कर आते हैं। लोगों का कहना है कि उचित देखभाल नहीं होने से मुक्तिधाम की स्थिति बत्तर होने लगी है।

### मधुमक्खियों ने हमला किया

मुक्तिधाम की सफाई व देखरेख नहीं होने से यहां पेड़ पर मधुमक्खियों ने छत्ता बना लिया है। शनिवार को चरचा कॉलरी से शवदाह के लिए पहुंचे लोगों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। शवदाह के दौरान उठे धुएं से मधुमक्खियां भड़क उठीं जिसके बाद सभी को शवदाह का क्रिया-कर्म अधूरा छोड़कर वहां से जाना पड़ा। मधुमक्खियों के हमले से यहां पहुंची भीड़ मुक्तिधाम से बाहर आ गई।

CMYK

# बिना किसी अनुमति के जंगल में लगाई जा रही क्रेशर मशीन

## खड़गवां मुख्यालय के ग्राम पंचायत पैनारी में क्रेशर संचालक की मनमानी

-राजेंद्र शर्मा-
खड़गवां,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

खड़गवां तहसील मुख्यालय के पास के ग्राम पंचायत में छोटे झाड़ के जंगल मद की राजस्व भूमि खसरा नंबर 1080 में मनमाने ढंग से स्टोन क्रेशर के निर्माण कार्य किया जा रहा है ये सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि स्टोन क्रेशर किसी ठेकेदार के द्वारा बिना किसी राजस्व विभाग खनिज विभाग ग्राम पंचायत के अनापत्ति प्रमाण के धड़ल्ले से निर्माण कार्य किया जा रहा है। जबकि इस संबंध में स्थानीय पटवारी से भी जानकारी चाही तो उन्होंने ने भी कहा कि मुझे गांव के ग्रामीणों से जानकारी मिली है की खसरा नंबर 1080 जो छोटे झाड़ का जंगल मद की भूमि है।

जिसमें ग्राम वासीओ का निसतार भी होता है जानवरों के चारे गाह के रूप में उपयोग किया जाता है जिस छोटे झाड़ जंगल की भूमि पर स्टोन क्रेशर मशीन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस भूमि पर स्टोन क्रेशर मशीन लगायें जाने से जानवरों के चारगाह के साथ साथ ग्रामीणों के निसतार

### क्या कहतें हैं ग्रामीण

क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि इस स्टोन क्रेशर जिस खसरा भूमि पर लगाया जा रहा है वो भूमि छोटे झाड़ का जंगल है इससे ग्राम वासीओ के निस्तार के साथ पशुओं को भी परेशानी होगी उनके चारागाह की बहुत बड़ी समस्या होगी। इस संबंध में हल्का पटवारी मीनू कौरव से जानकारी चाही तो उन्होंने कहा कि जांच कर रिपोर्ट अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के समक्ष पेश दी हू और स्टोन क्रेशर मशीन का निर्माण कार्य किया जा रहा है वो खसरा नंबर छोटे झाड़ का जंगल है और हमारे द्वारा किसी प्रकार का कोई निर्माण कार्य के लिए दस्तावेज प्रदान नहीं किया गया है।

कि समस्या उत्पन्न हो जाएगी। जिस स्टोन क्रेशर मशीन का निर्माण कार्य किया जा रहा है संचालक के द्वारा मानक नियमो का खुलेआम उलंघन किया जा रहा है और धड़ल्ले से बिना किसी अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा है।

## हथियार के नोक पर लूटपाट करने वाले बबली गैंग के दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ़्तार

-संवाददाता-
कोरबा,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा अवैध गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के संबंध में दिये गये निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस चौहान व नेहा वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा प्रतिभा मरकाम के मार्गदर्शन पर ट्रक ड्राइवरों से हथियार दिखाकर लूटपाट करने वाले बबली गैंग को पकड़ने में सफलता मिली है। प्रार्थी ट्रक ड्राइवर मनीष कुमार यादव पिता इंद्ल राम यादव उम्र 23 वर्ष सदगुरु ट्रांसपोर्ट कोरबा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 15/06/24 के सुबह 5:30 बजे अज्ञात लोगों के द्वारा चाकू दिखाकर प्रार्थी का मोबाइल एवं नगदी रक़म लूट लिया गया है । मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ

अधिकारियों के निर्देशानुसार मुखबिर तंत्र लगाकर आरोपियों की पतासाजी की गई और चौकी प्रभारी मानिकपुर प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में बबली गैंग के आरोपी शिवम दास उर्फ़ बबली और उसके साथी सूरज यादव को पकड़ कर उनके क़ब्ज़े से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा चाकू और लूटे गये मोबाइल, नगदी रक़म को जप्त कर आरोपी 01. शिवम दास उर्फ़ बबली पिता लक्ष्मण दास उम्र 20 वर्ष साकिन इमलिडग्गू थाना कोतवाली कोरबा 02. सूरज यादव पिता बालाराम यादव उम्र 21 वर्ष साकिन इमलिडग्गू थाना कोतवाली कोरबा को अपराध क्रमांक 342/2024 धारा 392,34 भा0द0वि0 एवं 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है।

## क्षेत्र की जनता के सुख-दुःख में हमेशा साथ रहेगा महंत परिवार : डॉ.महंत

-संवाददाता-
कोरबा,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत व कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत लोकसभा चुनाव के बाद संसदीय क्षेत्र की जनता के बीच आभार जताने पहुंच रहे हैं। इस कड़ी में उन्होंन पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों व कांग्रेसजनों ने नेता प्रतिपक्ष व सांसद का पुष्पगुच्छ, महामाला से आत्मीय स्वागत किया।

पोड़ी उपरोड़ा व पसान में कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात के दौरान नेता प्रतिपक्ष व सांसद ने मतदाताओं सहित जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक बार फिर महंत परिवार पर भरोसा जताया है और उम्मीदें खाली नहीं जाएंगी। जनता के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास होगा। इस दौरान उपस्थित लोगों ने क्षेत्र की समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं, जिस पर उचित निराकरण कराने का आश्वासन दिया गया। डॉ.महंत ने कहा कि जनता के हर सुख-दुःख में महंत परिवार सदैव साथ रहा है और भविष्य में भी साथ

रहेंगे। इसी कड़ी में नेता प्रतिपक्ष व सांसद ने गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के मरवाही ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कोदवाही में भी कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात कर आभार जताया। दौरे के दौरान कोदवाही में सर्वआदिवासी समाज भवन का लोकार्पण किया गया। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर प्रवास के दौरान लेदरी में कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात कर सभी के प्रति आभार प्रदर्शित किया। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, पूर्व विधायक मोहितराम केरकेट्टा, शैलेष पाण्डेय, पीसीसी के महासचिव प्रशांत मिश्रा, मनोज चौहान, जिला कांग्रेस ग्रामीण बिलासपुर के अध्यक्ष विजय केशरवानी, जीपीएम जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तम वासुदेव, श्रीमती भावना जायसवाल सहित युवा तुर्क सूरज महंत के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

# नवनिर्वाचित सांसद चिंतामणि महराज का प्रथम आगमन

## सामरी विधानसभा क्षेत्र मे जगह-जगह हुआ उनका स्वागत

-संवाददाता-
कुसमी,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदार रहे चिंतामणि महराज हालहि में हुये लोकसभा चुनाव में भारी मतो से जीतकर सरगुजा संसदीय सीट भाजपा के पाले में लाया,वही नवनिर्वाचित सांसद होने के बाद पहली बार शनिवार को अपने गृह क्षेत्र बलरामपुर जिले के सामरी विधानसभा के कुसमी विकासखंड मुख्यालय पहुचें जहा वन विभाग के विश्राम गृह के सामने मुख्यमार्ग पर भाजपा कार्यकत्ता एवं पदाधिकारी गणों ने नवनिर्वाचित सांसद चिंतामणी महराज का फुलमाला पहना कर आतिशबाजी के साथ जोरदार स्वागत किया तो वही प्रशासन के अधिकारियों ने भी विश्रामगृह में गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया,नवनिवार्चित सांसद के साथ सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा भी पहुची थी उनका भी फुलमाला गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया,तत्तपश्चात भाजपा मंडल के द्वारा आभार रैली का आयोजन किया गया था रैली

वनविभाग विश्रामगृह से निकला और फिर नवनिर्वाचित सांसद मुख्यमार्ग से लगे हुये भगवान के मंदिरो जाकर भगवान का आर्शिवाद लिया तो वही रैली के जरिये हाथ जोडकर चलते चलते जनता का आभार भी जताया,फिर भारतीय जनता पार्टी के कुसमी मंडल के कार्यकत्ताओं एवं पदाधिकारियों के द्वारा बस स्टैण्ड के समीप स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में नवनिर्वाचित सांसद चिंतामणि को लडुओं से तौला गया,फिर कार्यकत्ताओं एवं पदाधिकारियों के द्वारा फुलमाला गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया, कार्यक्रम को नवनिर्वाचित सांसद चिंतामणि महराज ने क्षेत्रीय भाषा में सम्बोधित किया जिसे हम हिन्दी भाषा में लिखकर बताते है उन्होने कहा कि आप सब के प्रयास से प्रधानमंत्री के कुर्सी पर नरेन्द्र मोदी जी को बैठाना था जो कि सबके प्रयास से चुनाव जीतकर मोदी जी को तीसरे बार प्रधानमंत्री के कुर्सी पर फिर से बैठाया गया है,वही अभी के समय भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र व राज्य दोनों जगहो पर

बनी है जिसका आभार जताया, सांसद होने के नाते आप लोंगो के दुख सुख में साथ देने का प्रयास करूगा ऐसा चिंतामणि महराज ने कहा, वही इस कार्यक्रम में पहुँची क्षेत्रीय विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा ने सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि कहा कि आपलोगो ने आर्शीवाद दिया एकजुट होकर लोकसभा विधानसभा दोनों चुनाव को जीताया है जिसका आभार जताते हुये विधायक ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में चुनाव जीताकर सामरी विधानसभा क्षेत्र से कमलफुल की एक पंखुडी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के हाथों में सौपा है। कार्यक्रम में भारतीय पसमांदा मंच के प्रदेश अध्यक्ष एमडी शमीम,जिला पंचायत सदस्य हिरामुनी निकुंज, मंडल अध्यक्ष संजय जयसवाल,वरिष्ठ नेता बालेश्वर नायक,अरविन्द तिवारी,आनंद जायसवाल भरतसेन सिंह,अशोक सोनी इंद्रदेव निकुंज विनोद गुप्ता,शंकरगढ़ से आशीष केशरी सहित काफी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकत्ता गण शामिल हुये।

## विश्व सिकल सेल दिवस पर जागरूकता शिविरों का होगा आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

भारत सरकार के निर्देश के अनुपालन में 19 जून 2024 को ''विश्व सिकल सेल दिवस'' पर सूरजपुर जिले के सभी विकास खंडों में सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविर के आयोजन हेतु तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी श्री आर.एस. सिंह व आदिवासी विकास सहायक आयुक्त श्री विश्वनाथ रेड्डी द्वारा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम पंचायत, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, विभागीय छात्रावास आश्रम व आवासीय विद्यालयों में सिकल सेल स्क्रीनिंग व जागरूकता शिविर आयोजन सुनिश्चित किया गया है। जिला प्रशासन की अपील है कि इन चिन्हित स्थानों पर पहुंचकर क्षेत्रवासी अपनी जांच अवश्य करवाये। इसके साथ ही विश्व सिकल सेल दिवस पर चलाया जा रहे इस कार्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक लोगो को मिले इसके लिए इसे अन्य लोगों के साथ साझा भी करें।

**थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही**

## शादी का झांसा देकर जबरन अनाचार करने के मामले मे आरोपी को किया गया गिरफ्तार

### अपराधों मे शामिल आरोपियों के विरुद्ध सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही

-संवाददाता-
सरगुजा,16 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त संदेहियो/आरोपियों पर लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया द्वारा दिनांक 15/06/24 कों थाना उदयपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रार्थिया का जानपहचान दरिमा निवासी अभय सिंह से वर्ष 2022 मे सोशल मीडिया के माध्यम से हुआ था, जानपहचान होने के बाद दोनों एक दूसरे से फ़ोन से बातचीत करते थे, कि घटना दिनांक 10/04/22 कों आरोपी रामगढ़ घूमने आने के बहाने प्रार्थिया के रूम मे आकर शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया एवं घटना दिनांक के पश्चात भी आरोपी द्वारा लगातार प्रार्थिया से जबरन दुष्कर्म की घटना कारित की गई हैं,अब आरोपी अभय सिंह द्वारा शादी करने से इंकार किया जा रहा हैं, मामले मे प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना उदयपुर मे अपराध क्रमांक 128/24 धारा 376 (2-ढ ), 313 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया, जो आरोपी द्वारा अपना नाम अभय सिंह उम्र 25 वर्ष साकिन दरिमा थाना दरिमा का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपराध घटित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना उदयपुर से सहायक उप निरीक्षक दिलीप दुबे , प्रधान आरक्षक देवनारायण सिंह, महिला आरक्षक प्रियंका तिर्की, आरक्षक कासीम अंसारी, देवेंद्र सिंह शामिल रहे।

# सुपर 8 में टीम इंडिया के ये 11 धुरंधर मचाएंगे गदर

**सुपर 8 के साथ-साथ नॉक आउट के सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले हैं...ऐसे में कैप्टन रोहित शर्मा इन 11 खिलाड़ियों के साथ धमाका कर सकते हैं...**

### अफगानिस्तान की हार पक्की

**नई दिल्ली,16 जून 2024।** टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लीग चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा। ब्लू टीम ने यहां कुल 3 मैचों में शिरकत की। जहां उसे सभी मुकाबलों में जीत मिली, जबकि एक मुकाबला बारिश की वजह से उसका ड्रा रहा। ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए रोहित एंड कंपनी ने सुपर 8 में प्रवेश किया है। यहां उसका पहला मुकाबला 20 जून को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के साथ है। मैच से पूर्व बात करें ब्लू टीम अपने सुपर 8 के पहले मुकाबले में किन 11 धुरंधरों के साथ मैदान में उतर सकती है, तो वो कुछ इस प्रकार है-

### रोहित-कोहली कर सकते हैं पारी का आगाज

सुपर 8 के साथ-साथ नॉक आउट के सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले हैं। कैरेबियन सरजमीं पर विराट कोहली का प्रदर्शन अबतक सराहनीय रहा है। ऐसे में हिटमन रोहित शर्मा के साथ वह एक बार फिर पारी का आगाज करते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं बात करें रोहित शर्मा के बारे में तो वह आयरलैंड के खिलाफ पहले ही मुकाबले में अर्धशतक लगाने में कामयाब हो चुके हैं। ऐसे में उन्होंने फॉर्म में लौटने का हिंट पहले ही दे दिया है।

ऐसे में जब देश के ये दोनों दिग्गज बल्लेबाज कैरेबियन सरजमीं पर एक साथ उतरेंगे तो फैंस को एक बड़ी पारी देखने को मिल सकती है। इसकी मेन वजह अमेरिकी पिचों के बजाय कैरेबियन पिचें बल्लेबाजों की थोड़ी मुफीद मानी जाती हैं।

### इनपर रहेगा मध्यक्रम का दारोमदार

मध्यक्रम की जिम्मेदारी ऋषभ पंत के साथ-साथ अनुभवी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के कंधों पर रहेगी। पंत इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करते हुए अच्छे टच में नजर आ रहे हैं।

वहीं पिछले मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने भी अपनी पुरानी लय हासिल कर ली है। यूएसए के खिलाफ उम्दा बल्लेबाजी करते हुए वह अर्धशतक लगाने में कामयाब हुए थे और टीम को जीत दिलाकर ही ड्रेसिंग रूम में वापस लौटे थे।

### एक बार फिर 4 ऑलराउंडर के साथ उतर सकते हैं कैप्टन रोहित शर्मा

लीग चरण में भारतीय टीम 4 ऑलराउंडर खिलाड़ियों के साथ बेहद संतुलित नजर आ रही थी। उम्मीद है सुपर 8 मैचों में भी कप्तान रोहित शर्मा 4 ऑलराउंडर खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकते हैं।

अक्षर पटेल और हार्दिक पंड्या गेंदबाजी के साथ-साथ बल्ले से भी रंग में नजर आ रहे हैं। वहीं रवींद्र जडेजा ने अबतक गेंद से तो कमाल किया है, लेकिन मौका मिलने पर बल्ले से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उम्मीद है थोड़ी पिच अच्छी मिलने पर वह बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा शिवम दुबे को अबतक गेंदबाजी करने का कुछ खास मौका नहीं मिला है, लेकिन पिछले मुकाबले में उन्होंने मैच जिताऊं पारी खेलते हुए बल्ले से फॉर्म में आने का हिंट दे दिया है। जो टीम इंडिया के लिए बेहद सुखदाई है.

### पेस तिकड़ी कर रही है कमाल

टूर्नामेंट में भारतीय पेस तिकड़ी शानदार प्रदर्शन कर रही है। ऐसे में पूरी संभावना है कि अगले मुकाबले में भी कैप्टन रोहित शर्मा इनके साथ मैदान में उतर सकते हैं। मौजूदा पेस तिकड़ी में जसप्रीत बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह का नाम शामिल है।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के लिए टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग 11

विराट कोहली, रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज।

# स्कॉटलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने किया क्लीन स्वीप

### आखिरी मैच में जीत के साथ बनाए कई रिकॉर्ड्स

**मेलबर्न,16 जून 2024।** टी 20 वर्ल्ड कप में रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को मात देकर ग्रुप राउंड में क्लीन स्वीप किया। ये मुकाबला जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया को काफी पसीना बहाना पड़ा। लेकिन आखिरकार मैच अपने नाम करने में कामयाब रहे। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप में अपनी जीत का सिललिला जारी रखा और कई रिकॉर्ड कायम किए। स्कॉटलैंड की टीम ने मैच में पहली बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 180 रन बनाए। वहीं इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट खोकर दो गेंद शेष रहते हुए ये लक्ष्य हासिल किया। टीम के लिए मार्कस स्टोइनिस ने 29 गेंदों में 59 रन बनाए वहीं ट्रेविस हेड ने 49 गेंदों में 68 रन की पारी खेली। टी 20 वर्ल्ड कप में ये ऑस्ट्रेलिया की लगातार सातवीं जीत है। इस साल टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप राउंड की जीत के अलावा साल 2022 की तीन जीत भी शामिल हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड और भारत की बराबरी की। इंग्लैंड ने 2010-2012 के टी 20 वर्ल्ड कप में लगातार सात मैच जीते थे। वहीं भारत ने 2012 से 2014 के बीच टी 20 वर्ल्ड कप में लगातार सात मैच जीते थे।

टी 20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का दूसरा सबसे बड़ा चेजऑस्ट्रेलिया ने 181 का लक्ष्य हासिल किया जो कि टी 20 वर्ल्ड कप में उनका दूसरा सबसे बड़ा चेज है। इससे हले साल 2010 के सेमीफाइनल में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 192 रन का लक्ष्य हिसाल किया था। साल 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ 177 का उसी साल फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 173 का लक्ष्य हासिल किया।

# गौतम गंभीर के नाम पर बीसीसीआई ने लगाई मुहर

### जल्द होगी हेड कोच के नाम की घोषणा

**नई दिल्ली,16 जून 2024।** भारतीय टीम के मुख्य कोच पद के लिए बीसीसीआई ने गौतम गंभीर के नाम पर आखिरी मुहर लगा दी है। दरअसल, ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार पूर्व भारतीय बल्लेबाज का मुख्य कोच बनना तय हो गया है और जल्दी ही इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। बीसीसीआई ने मई में इस पद के लिए आवेदन मांगे थे, इसके बाद से ही कई अटकलों का दौर शुरू हो गया था। अब इस महीने के अंत में यानी टी 20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद नए कोच का ऐलान हो सकता है।

दैनिक जागरण की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने गौतम गंभीर को कोच बनाने का फैसला कर लिया है और जून के आखिर में इसकी घोषणा कर दी जाएगी।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने जागरण को बताया कि, गंभीर और हमारी बात हो चुकी है। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। उनकी घोषणा की तिथि भारतीय टीम के वर्ल्ड कप के सफर से तय होगी।

### गंभीर ही चुनेंगे सपोर्ट स्टाफ

भारतीय टीम का सपोर्ट स्टाफ भी नए हेड कोच गौतम गंभीर की मर्जी से चुना जाएगा। इसको लेकर भी बीसीसीआई ने सहमति जता दी है। सूत्र ने बताया कि, गंभीर ने कहा है कि जो भी टीम इंडिया का सपोर्ट स्टाफ होगा, उसे भी वही चुनेंगे। इस पर भी सहमति बन गई है। फिलहाल, भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में विक्रम राठौड़, फील्डिंग कोच टी दिलीप और गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे हैं। टी दिलीप और म्हाम्ब्रे को राहुल द्रविड़ के कोच बनने पर भी रखा गया था।

# टी 20 वर्ल्ड कप के बीच दिग्गज ऑलराउंडर डेविड वीजे ने लिया संन्यास

**हॉलैंड,16 जून 2024।** टी 20 वर्ल्ड कप के बीच स्टार ऑलराउंडर गेंदबाज डेविड वीजे ने अंतर्राष्ट्रीय करियर से संन्यास की घोषणा कर दी है। दो देशों की टीमों के लिए खेल चुके वीजे ने अपना आखिरी मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को खेला, जिसमें उनकी टीम नामीबिया को हार का सामना करना पड़ा। वीजे ने इस मैच में 12 गेंदों में 27 रन बनाए डेविड वीजे ने साउथ अफ्रीका के लिए अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने साल 2015 में सेंचुरियन में अपना वनडे डेब्यू किया। इसके बाद वे नामीबिया चले गए और यहां भी शानदार करियर बिताया।

वीजे ने कुल 69 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इसमें 15 वनडे मैचों में 25.38 की औसत से 330 रन और 54 टी20 में 24.0 की औसत और 127.86 के स्ट्राइक रेट से 624 रन बनाए हैं। वहीं दूसरी तरफ गेंदबाजी में तेज गेंदबाजी ने 15 वनडे पारियों में 15 विकेट और 54 टी20 पारियों में 59 विकेट चटकाए हैं।

### आईपीएल में आरसीबी और केकेआर के लिए किया प्रदर्शन

आईपीएल में डेविड वीजे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके हैं। आरसीबी के दौर में उन्होंने विराट कोहली के सात भी काफई अच्छा समय बिताया। वीजे ने 18 आईपीएल मैचों में 11 पारियों में 29.6 की औसत से 148 रन बनाए हैं। जबकि, गेंदबाजी में 15 पारियों में 16 विकेट चटकाए हैं।

# भारतीय राष्ट्रीय अल्टीमेट फिसबी टीम ने रजत पदक जीता

**शिराहामा ,16 जून 2024।** भारतीय राष्ट्रीय अल्टीमेट फ्रिसबी टीम ने एशिया ओशनिक बीच अल्टीमेट चैंपियनशिप 2024 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और फिलीपींस के खिलाफ कड़े मुकाबले में उपविजेता रही। एक करीबी और प्रतिस्पर्धी खेल के बावजूद, भारत 9-12 के अंतिम स्कोर के साथ पिछड़ गया। महाद्वीपीय चैंपियनशिप में एशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की 16 टीमें शामिल थीं। यह उपलब्धि अल्टीमेट फ्रिसबी के खेल के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, क्योंकि राष्ट्रीय टीम पहली बार फाइनल में पहुंची, जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रगति और क्षमता का प्रदर्शन किया। फाइनल तक का सफर सेमीफाइनल में जापान पर उल्लेखनीय जीत से उजागर हुआ, जो टीम के कौशल, रणनीति और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। फाइनल मैच एक गहन मुकाबला था, जिसमें दोनों टीमों ने असाधारण एथलेटिकिज्म और निष्पक्ष खेल का प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट के माध्यम से भारतीय टीम की यात्रा ने दुनिया भर के प्रशंसकों और अल्टीमेट फ्रिसबी समुदाय से

अपार समर्थन और प्रशंसा प्राप्त की है। भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच उदय कुमार ने कहा, ÷हमें अपनी टीम के प्रदर्शन पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है।÷ ÷हालांकि हम चैंपियनशिप नहीं जीत पाए, लेकिन हमारे खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित समर्पण और भावना वास्तव में प्रेरणादायक थी। इस अनुभव ने भारतीय अल्टीमेट फ्रिसबी के लिए एक नया मानक स्थापित किया है, और हम उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे।÷ भारत में फ्लाइंग डिस्क स्पोर्ट्स के लिए शासी निकाय इंडिया अल्टीमेट (ढ्ढ) के अध्यक्ष पुंडरी कुमार ने कहा- ÷फाइनल तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है। हमारे खिलाड़ियों ने जबरदस्त साहस और कौशल दिखाया है। हम डेज़ी, हाई राइज़, एक्विला ईवी और ऑफ़-सीज़न अल्टीमेट के साथ-साथ भारत में अल्टीमेट फ्रिसबी खेलने वाले पूरे समुदाय के समर्थन के लिए आभारी हैं।÷ टीम इंडिया की ऐतिहासिक उपलब्धि 15,000 से अधिक अल्टीमेट फ्रिसबी खिलाड़ियों के समुदाय के अविश्वसनीय क्राउडफंडिंग प्रयासों और देश भर के प्रशंसकों के सामूहिक समर्थन से भी संभव हुई। 2019 में अपने तीसरे स्थान के प्रदर्शन में सुधार करते हुए रजत पदक जीतने के साथ, भारतीय टीम ने भविष्य की सफलता के लिए एक मजबूत नींव रखी है और कई युवा एथलीटों को इस खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है।

# कन्फर्म हो गई सिंघम अगेन की रिलीज डेट

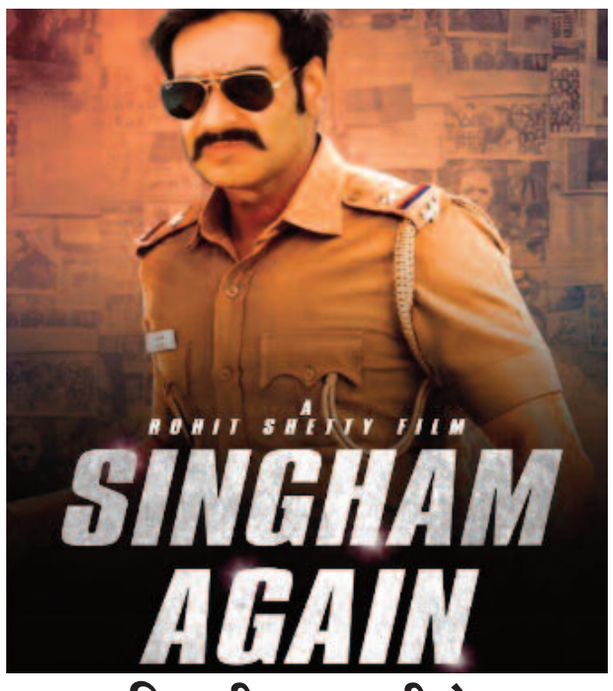


### अब दिवाली पर जख्मी शेर बन तबाही मचाने आ रहे हैं अजय देवगन

रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन को लेकर फैंस पलकें बिछाए बैठे हैं। इस फिल्म का मेकर्स से लेकर दर्शकों तक सभी को बेसब्री से इंतजार है। स्टारकास्ट के फर्स्ट लुक्स तो रिवील कर दिए थे, लेकिन बाकी डिलेट देना अभी बाकी था। पहले खबर थी कि सिंघम अगेन 15 अगस्त के दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी और इसकी टक्कर पुष्पा 2 से होगी. लेकिन अब सिंघम अगेन की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है। अब यह फिल्म 15 अगस्त को नहीं बल्कि इस दिवाली पर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है कि सिंघम अगेन अब 15 अगस्त 2024 को नहीं बल्कि दिवाली 2024 पर रिलीज होने वाली है। पोस्टर शेयर करते हुए रोहित शेट्टी ने लिखा है, शेर आतंक मचाता है, जख्मी शेर तबाही। मिलते हैं आपसे इस दिवाली सिनेमाघरों में'. इस पोस्टर पर सिंघम अगेन, रोहित शेट्टी कॉप यूनिवर्स और फिल्म की रिलीज डेट लिखी है। इसके साथ ही स्टारकास्ट के नाम भी लिखे हैं। बता दें कि अजय देवगन ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर रिलीज डेट के बारे में बताया है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म को लेकर जानकारी दी है कि सिंघम अगेन की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है।और यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होगी। अजय देवगन की फिल्म का क्लैश कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से होने वाला है। यह फिल्म भी दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। बता दें कि अजय देवगन का बॉक्स ऑफिस क्लैश शानदार रहा है. हो सकता है कि सिंघम अगेन में भी इसका जलवा देखने को मिले। सिंघम अगेन के स्टारकास्ट की बात करें तो रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में मल्टीस्टार नजर आने वाले हैं। फिल्म में अजय देवगन के अलावा करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ आदि नजर आने वाले हैं. बता दें कि रोहित शेट्टी इससे पहले अपने कॉप यूनिवर्स में सिंघम, सिंघम अगेन और सूर्यवंशी जैसी फिल्में बना चुके हैं, जिनको दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. अब सिंघम अगेन का इंतजार है।

# बालिका वधू से मशहूर हुई अविका गोर ने सेट पर अपने पीरियड्स को लेकर किया खुलासा,कहा- मेरे निर्देशक ने मुझसे पूछा था

अविका गोर जो अपने करियर में कमाल कर रही हैं, कलर्स टीवी के शो बालिका वधू से मशहूर हुई। यह शो बाल विवाह की अवधारणा पर आधारित था और आगे चलकर बेहद सफल रहा। बालिका वधू ने विभिन्न सामाजिक मानदंडों पर भी प्रकाश डाला और दर्शकों के बीच जागरूकता फैलाने में मदद की।

हाल ही में हाउटरफ्लाई के साथ एक साक्षात्कार में, अविका ने अपने शो की शूटिंग के दौरान मासिक धर्म के बारे में सीखने के बारे में खुलकर बात की। शो में अपने कार्यकाल के दौरान 12 साल की अभिनेत्री ने ऐसे एपिसोड की शूटिंग की, जिसमें उनकी आनंदी को पहली बार मासिक धर्म शुरू होता है और वह अपने माता-पिता के बजाय अपने ससुराल वालों के साथ रहती है। उन एपिसोड की शूटिंग के दौरान क्या हुआ, इसका खुलासा करते हुए, अविका ने खुलासा किया कि उनके निर्देशक ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें पता है कि पीरियड्स क्या होते हैं। अभिनेत्री ने निर्देशक से कहा कि उन्हें पता है कि यह क्या होता है क्योंकि उनकी माँ ने उन्हें इसके बारे में समझाया था।

इस बारे में बात करते हुए बालिका वधू की अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनकी माँ ने उन्हें क्या बताया था और कहा, उस विशेष दृश्य के लिए मेरी माँ ने मुझे समझाया था कि पीरियड्स क्या होते हैं। उन्होंने कहा, तुम्हारा यह दृश्य है इसलिए मुझे तुम्हें यह समझाना होगा। यह असल ज़िंदगी में भी होगा लेकिन ऐसा ही होता है।% इसलिए बालिका वधू की बदौलत मैंने बहुत सी चीज़ें बहुत जल्दी सीख लीं।

अविका ने शो के ज़रिए ही बाल विवाह के बारे में सीखने का भी खुलासा किया और कहा कि इस शो ने उन्हें बहुत कम उम्र में बहुत सी चीज़ें सिखाईं। शो में अविका के साथ अविनाश मुखर्जी थे। पीढ़ी की छलांग के बाद, दिवंगत प्रत्यूषा बनर्जी को आनंदी के किरदार के लिए चुना गया, जबकि शशांक व्यास को आनंदी के पति जगदीश का किरदार निभाने के लिए चुना गया।

# ऋतिक रोशन की प्रस्तुति पुश्तैनी का ट्रेलर हुआ रिलीज

### 21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

ऋतिक रोशन एक ऐसे अभिनेता हैं, जो अक्सर खुशी फैलाने के लिए अतिरिक्त मील चलते हैं। अपने एक्टिंग कोच विनोद रावत के लिए उनका हालिया इशारा इस बात का सबूत है। बता दें कि अभिनेता अपने अभिनय कोच की फीचर फिल्म पुश्तैनी को पेश करने के लिए बोर्ड पर आए हैं।विनोद इस फिल्म के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत कर रहे हैं, जो 21 जून को स्क्रीन पर हिट होने के लिए तैयार है। खैर, यह फिल्म एक अभिनेता, निर्देशक, लेखक और निर्माता के रूप में रावत की फीचर डेब्यू को भी चिह्नित करती है और इसमें राजकुमार राव का कैमियो है।ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर विनोद रावत की पुश्तैनी का ट्रेलर शेयर किया है। ट्रेलर शेयर करते हुए वो उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। अभिनेता ने खुलासा किया कि जब विनोद स्क्रिप्ट के साथ उनके पास आए थे, तो फाइटर स्टार वास्तव में फिल्म की कल्पना या कल्पना नहीं कर सकते थे। बाद में ऋतिक ने यह भी बताया कि लॉकडाउन के दौरान विनोद ने उन्हें बताया था कि वो अपने मूल स्थान पर फिल्म की शूटिंग करेंगे और पैसे की कमी के कारण उनके परिवार के सदस्य फिल्म में अन्य किरदार निभाएंगे। बाद में अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि कोविड ने परियोजना में बाधा डाली थी और रावत के पास आखिरी 15,000 रुपये बचे थे, लेकिन वह दृढ़ थे और परियोजना को पूरा किया।फिल्म की तारीफ करते हुए, ऋतिक ने लिखा, मेरे अत्यंत आश्चर्य और खुशी के लिए फिल्म ने मुझे हंसाया, इसने मुझे रुला दिया और मैं पूरी तरह से अचंभित हो गया कि इस आदमी ने बिना किसी मदद के अकेले दम पर क्या हासिल किया था। पुश्तैनी के पास दिल था और इसने मेरा दिल जीत लिया था।

# जहीर इकबाल से शादी से पहले ससुर सास से मिली सोनाक्षी सिन्हा

ब्राइड टू बी सोनाक्षी सिन्हा ने रविवार का दिन अपने ससुराल वालों के साथ बिताया। अभिनेत्री इस महीने के अंत में जहीर इकबाल से शादी करने वाली हैं। अपनी शादी से पहले वह अपने ससुर, सास और ननद के साथ बॉन्डिंग करती नजर आईं। जहीर की बहन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर साझा की,

जिसमें सोनाक्षी ने अपने ससुर इकबाल रत्नासी को अपने पास रखा हुआ था और वह बड़ी मुस्कुरा रही थीं। दूल्हा बनने जा रहे जहीर इकबाल अपनी मां और बहन सनम रतनसी के बीच खड़े नजर आए। बता दें कि सनम एक सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट हैं और उन्होंने हाल ही में हीरामंडी के ज्यादातर स्टार्स को स्टाइल किया है। इनमें सोनाक्षी सिन्हा भी शामिल हैं। सनम ने परिवार की फोटो को दिल वाले इमोजी के साथ शेयर किया। जहीर के पिता इकबाल एक जौहरी और व्यवसायी हैं। यह परिवार सलमान खान का करीबी है। जहीर की मां एक गृहिणी हैं। एक बहन के अलावा जहीर का एक छोटा भाई भी है जो कंप्यूटर इंजीनियर के रूप में काम करता है। इस बीच, जहीर और सोनाक्षी 23 जून को शादी करने वाले हैं। पिछले हफ्ते, सोनाक्षी की शादी का निमंत्रण ऑनलाइन लीक हो गया था। शादी के निमंत्रण में एक ऑडियो क्यूआर कोड भी शामिल है जिसमें सोनाक्षी और जहीर का एक प्यारा संदेश है।

# इंडियन 2 के बाद मिस यू से धूम मचाएंगे सिद्धार्थ

साउथ अभिनेता सिद्धार्थ इन दिनों इंडियन 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं अब उनकी अगली फिल्म पर बड़ी जानकारी सामने आई है। अभिनेता की अगली फिल्म का नाम मिस यू है। सिद्धार्थ अपनी अगली रोमांटिक फिल्म मिस यू में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म का पहला पोस्टर भी अभिनेता आर माधवन, निर्देशक लोकेश कनगराज और शिवकार्तिकेयन द्वारा जारी किया गया है।अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर शेयर करते हुए माधवन ने लिखा, कई अवॉर्ड जीतने वाली चिट्ठा के बाद मेरे प्यारे भाई सिड ने कई सालों के बाद एक प्रेम कहानी शुरू की है। रोजेज आर रेड, वायलेट आर ब्लू। सिड की अगली रोमांस फिल्म मिस यू है। हम जानते हैं कि आप सभी ने भी उन्हें मिस किया होगा।इसके साथ ही शिवकार्तिकेयन ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, मेरे प्यारे भाई सिद्धार्थ की मिस यू का पहला लुक जारी करते हुए खुशी हो रही है। पोस्टर में सिद्धार्थ लाल शर्ट और नीली जींस पहने हुए एक हाइकर बैग लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। मिस यू का निर्देशन एन राजशेखर ने किया है और संवाद अशोक आर ने लिखे हैं। फिल्म को 7 माइल्स पर सेकंड द्वारा द्वारा निर्मित किया जाएगा। सिद्धार्थ के अलावा फिल्म में इसमें आशिका रंगनाथ, करुणाकरण, बाला सरवनन, लोल्लू सभा मारन और अन्य भी हैं।सिद्धार्थ को आखिरी बार तमिल फिल्म चिट्ठा में देखा गया था, जिसे समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अब अभिनेता अगली बार कमल हासन की इंडियन 2 में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ इंडियन 2 में एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। शंकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी।

# अस्पताल में इलाज के दौरान
# फोटो,वीडियो बनाने पर रोक

» फर्श पर बच्चे की डिलीवरी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया आदेश

» अस्पतालों में चिकित्सकों के रहने के साथ ही मानकों का पालन करने के निर्देश

» मरीज की निजता भंग न हो, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया आदेश

**रायपुर,16 जून 2024 (ए)।**सरगुजा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवानगर में फर्श पर प्रसव की घटना के बाद सरकार सख्त हो गई है। इस संवेदनशील मुद्दे को उच्च न्यायालय द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। सरकार ने शासकीय अस्पतालों में उपचार करा रहे व्यक्तियों की शासकीय अथवा गैर शासकीय व्यक्तियों के द्वारा इस प्रकार फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी नहीं करने के आदेश जारी किए हैं, जिससे मरीज की निजता भंग होती हो।इस आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश हैं।

इसी प्रकार संस्थागत प्रसव के लिए अधिकारियों को गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान तथा प्रसव पश्चात प्रबंधन के लिए तय मानकों का पालन करने निर्देशित किया गया है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ की ओर से जारी आदेशों के पीछे नवानगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की वह घटना कारण है जिसमें शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मचारियों के अस्पताल से गायब रहने के कारण महिला का फर्श पर ही प्रसव हो गया था।इस घटना का एक वीडियो भी प्रसारित हुआ था। स्वास्थ्य सेवाएं के उपसंचालक डा. डीके टूर्रे ने कहा कि मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए शासन की तरफ से आदेश जारी किया गया है। इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इलाज से संबंधित यदि कोई शिकायत है तो अस्पताल अधीक्षक से किया जा सकता है।

### ध्यान रखें निजता का न हो उल्लंघन

अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ ने जारी आदेश में कहा है कि नवानगर की घटना का वीडियो प्रसारित किए जाने की जितनी निंदा की जाए यह कम होगी। इस प्रकार की घटना की वीडियोग्राफी नहीं की जानी चाहिए। महिलाओं के वीडियो या किसी भी व्यक्तिगत सामग्री को बिना उनकी अनुमति के प्रसारित करना न केवल अनैतिक है, बल्कि यह कई कानूनी और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म दे सकता है।

### प्रसव सुविधा को लेकर सरकार ने जारी किया आदेश

नवानगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की घटना कि भविष्य में पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार की ओर से जारी आदेश में प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान तथा प्रसव के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं के तय मानक का पालन करने कहा गया है। आदेश में कहा गया है किगृह से स्वास्थ्य संस्थाओं के मध्य प्रसव पीड़ा शुरू होने पर मितानिन के माध्यम से नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र को दूरभाष के माध्यम से सूचित किया जाना चाहिए। साथ ही परिवहन के लिए सामान्य अवस्था में 102 महतारी एक्स्प्रेस तथा जटिल अवस्था में 108 संजीवनी एक्सप्रेस के माध्यम से घर से स्वास्थ्य संस्था में पहुंचने के लिए समन्वय किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव

# प्रत्यक्ष प्रणाली से होगी
# महापौर और अध्यक्ष का चुनाव

» भाजपा विधायक दल की बैठक में बनी सहमती

**रायपुर,16 जून 2024(ए)।** प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब नवंबर-दिसंबर 2024 में नगरीय निकाय के चुनाव होने हैं.। इसके पहले राज्य सरकार ने अगले चुनाव में नियमों में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। दरअसल, आज राजधानी में बीजेपी विधायक दल की बैठक में महापौर और अध्यक्ष के पद के लिए प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराये जाने को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान ज्यादातर विधायक प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने पर सहमति जताई है.। अविभाजित मध्यप्रदेश में 1999 में कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार ने राज्य में महापौर चुनने का अधिकार पार्षदों से छीनकर जनता के हाथ में दिया था। तब नगर निगम रायपुर में तरुण चटर्जी पहले महापौर बने थे। वह 2000 से 2003 तक महापौर रहे।. इसके बाद हुए 3 चुनावों में भाजपा के सुनील सोनी, कांग्रेस से डॉ. किरणमयी नायक और फिर कांग्रेस नेता प्रमोद दुबे महापौर बने.

### भूपेश सरकार ने पार्षदों को दिया महापौर चुनने का अधिकार

पांच साल पहले भूपेश सरकार ने दिग्जविजय के द्वारा दिए गए अधिकार देने वाले नियम में बदलाव करके जनता से अधिकारी छीन लिया और पार्षदों को महापौर चुनने का अधिकार दिया गया. इस नियम से रायपुर नगर निगम के एजाज ढेबर समेत अन्य निकायों में भी अप्रत्यक्ष अध्यक्ष और महापौर चुने गए थे. वहीं 5 साल बाद प्रदेश की सत्ता में वापसी के बाद अब बीजेपी एक बार फिर नियम में बदलाव करने जा रही हैं.

# इनसे वर्तमान का पूछो,तो मंत्री
# 2047 की बात करते हैं:दीपक बैज

**रायपुर,16 जून 2024(ए)।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार नहीं संभाल पा रही है। एक तो भारतीय जनता पार्टी के पास कोई विजन नहीं है ना कोई नीति है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आज की स्थिति में प्रदेश में क्या हालत हैं देखिए, ये संभाल नहीं पा रहे हैं।रायपुर में मीडिया से बातचीत में दीपक बैज ने कहा कि, भाजपा के लोगों के पास कोई प्लानिंग नहीं है। इनके एक मंत्री तो वर्तमान की प्लानिंग के लिए ना सोचकर 2047 की बात करते हैं। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या ही होगा। कांग्रेस ने प्लानिंग के तहत काम किया। प्रदेश के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम हम कर रहे थे।

दीपक बैज ने कहा कि, कांग्रेस के समय पंचायत स्तर पर गौठान बने। ताकि आवारा पशुओं की समस्या ना हो, फसलों का नुकसान ना हो लेकिन भारतीय जनता पार्टी इसको नाम बदलकर इसको पंचायत से उठाकर एक संभाग स्तर में गौ अभ्यारण बनाकर संचालित करने की बात करती है। क्या हर संभाग स्तर में गाय बैल को सरकार इकट्ठा कर पाएगी। यह सबसे बड़ा सवाल है ।

बलौदाबाजार के आंदोलन में व्यवस्थाएं करने में पर्दे के पीछे से भाजपा समर्थित लोगों ने पूरा काम किया। भारतीय जनता पार्टी की सरकार अगर न्यायिक जांच की घोषणा करती है, आयोग बनाती है तो भाजपा अलग से एक टीम क्यों बना रही है।मेरा सवाल है क्या उनको सरकार की जांच पर भरोसा नहीं है ? सरकार इस घटना में लीपा-पोती करने के लिए जहां समिति बनाई है। बैज ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के जांच दल की रिपोर्ट रविवार को मिल जाएगी और इस पर आगे जो उचित होगा हम करेंगे।

# स्कूलों में बढ़ी गर्मी छुट्टी

### अब 25 जून तक बंद रहेंगे स्कूल

**रायपुर,16 जून 2024(ए)।** छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य सरकार ने स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी हैं। अब 18 जून को स्कूल नहीं खुलेंगे। गर्मी को देखते हु 25 जून तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश राज्य सरकार ने दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर इस संबंध में पोस्ट किया है। सीएम ने एक्स पर लिखा कि राज्य के सभी स्कूलों में 25 जून तक अवकाश रहेंगे। अब राज्य के सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूल 25 जून तक बंद रहेंगे और 26 जून से खुलेंगे।

छत्तीसगढ़ में गर्मी और हीटवेव के कारण स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाने का फैसला लिया गया है। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में गर्मी अपने चरम पर है। बच्चों को गर्मी में होने वाली परेशानी को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। अभिभावकों में भी बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है।

इस संबंध में शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, बड़ी संख्या में अभिभावकों का ग्रीष्मकालीन अवकाश बढ़ाने के निवेदन आ रहे थे। जिसके चलते सरकार ने ग्रीष्मकालीन अवकाश को 25 जून तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

# दिव्यांग छात्रों के लिए बड़ी घोषणा

» सभी संभागों में खुलेंगे दिव्यांग कालेज,

» मंत्री राजवाड़े भेंजेगी सीएम को प्रस्ताव

**रायपुर,16 जून 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ के सभी संभागों में अब दिव्यांग कालेज खोले जाएंगे। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस योजना को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी। वर्तमान में, रायपुर में ही एकमात्र दिव्यांग कालेज है, जबकि 33 में से लगभग 21 जिलों में दिव्यांगों के लिए स्कूल संचालित हो रहे हैं।

प्रदेश के सभी जिलों में दिव्यांग स्कूल खोलने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। इसके साथ ही, कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा भी प्रदान की जाएगी। मंत्री राजवाड़े ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न श्रेणियों के लगभग सात लाख दिव्यांग जन हैं। वर्तमान में कालेज नहीं होने के कारण, बारहवीं के बाद कई दिव्यांग बच्चे पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इसके मद्देनजर, स्कूल और कालेज की संख्या बढ़ाने की मांग की गई है।

उम्मीद जताई जा रही ह कि दिव्यांग कालेजों को नए शिक्षण सत्र में मंजूरी मिलेगी। इससे पहले यह अगले वर्ष के बजट प्रविधानों में शामिल हो सकता है। प्रदेश में सात लाख दिव्यांग जनों के लिए कालेजों की अनिवार्यात लंबे समय से अनुभव की जा रही है।

# बलौदाबाजार हिंसा मामले में प्रशासन की कार्रवाई पर भीम आर्मी ने उठाए सवाल,

» चंद्रशेखर रावण ने वीडियो शेयर कर लिखा- यह दमन हम बर्दाश्त नहीं करेंगे

**रायपुर,16 जून 2024(ए)।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में हुई हिंसा मामले को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। मामले में अब भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद रावण की एंट्री हो चुकी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए प्रशासन की कार्रवाई की निंदा करते हुए लिखा है कि यह दमन हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच की भी मांग की है।

# बलौदाबाजार में अफवाहों और भ्रमित करने वाले पोस्ट्स पर नजर रखने के लिए बनाई समिति,आदेश जारी

**बलौदाबाजार,16 जून 2024(ए)।** बलौदाबाजार जिले में कानून व्यवस्था के मद्देनजर कलेक्टर दीपक सोनी एक्शन मोड में हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया में निगरानी के लिए 4 सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसके लिए टीम गठित कर आदेश जारी कर दिया है।

इस समिति मे संयुक्त कलेक्टर सीमा ठाकुर,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बलौदाबाजार निधि नाग,सहायक संचालक,योजना एवं सांख्यिकी सुमीत कुमार मेरावी, सहायक सूचना अधिकारी जनसंपर्क नितेश चक्रधारी सदस्य होंगे। जो कि, सोशल मीडिया में नकारात्मक लेखों और तथ्यों पर निगरानी रखेगी।

### समिति सोशल मीडिया पर रखेगी कड़ी निगरानी

अवैधानिक एवं आपत्तिजनक पोस्ट, कमेंट्स आदि पाये जाने पर समिति प्रतिदिन जानकारी संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं संबंधित अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को त्वरित कार्यवाही हेतु प्रेषित करेगी। संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं संबंधित अनुविभागीय अधिकारी पुलिस तत्काल प्रतिबंधात्मक कानूनी कार्यवाही करते हुए समिति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। जिला स्तरीय समिति अनुविभाग से प्राप्त कार्यवाही का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रतिदिन अपने अधिकारियों को देंगे।

# सीएम रायपुर और केंद्रीय मंत्री बिलासपुर में चीफ गेस्ट

**रायपुर,16 जून 2024 (ए)।** .राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों की घोषणा कर दिया है. इसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर तथा केंद्रीय शहरी राज्य मंत्री तोखन साहू को बिलासपुर मे आयोजित समारोह का चीफ गेस्ट बनाया गया है. इसी तरह कोरबा मे अरुण साव, दुर्ग मे विजय शर्मा, जांजगीर मे मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि होंगे. देखिये जिलेवार मुख्य अतिथियो की सूची, कौन मंत्री, सांसद, विधायक किस जिले के समारोह मे शामिल होंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 के अवसर पर राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय योगाभ्यास करेंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े करेंगी। उपमुख्यमंत्री अरूण साव कोरबा तथा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा दुर्ग जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नामांकित किए गए हैं। बिलासपुर में केन्द्रीय संघ राज्य मंत्री तोखन साहू, कांकेर में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, कोरिया में मंत्री रामविचार नेताम, महासमुद में मंत्री दयालदास बघेल, नारायणपुर में मंत्री केदार कश्यप, कबीरधाम में मंत्री लखनलाल देवांगन, बलौदाबाजार में मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, जांजगीर-चांपा में मंत्री ओ.पी.चौधरी, धमतरी में मंत्री टंकराम वर्मा, राजनांदगांव में सांसद संतोष पाण्डेय, सरगुजा में सांसद चिन्तामणी महाराज, जशपुर में सांसद राधेश्याम राठिया, सुकमा में सांसद महेश कश्यप, गरियाबंद में सांसद रूपकुमारी चौधरी, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, बालोद में सांसद भोजराज नाग, सक्ती में सांसद कमलेश जांगड़े, रायगढ़ में सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, बस्तर में विधायक किरण देव, दंतेवाड़ा में विधायक चैतराम अटामी, बीजापुर में विधायक नीलकंठ टेकाम, कोण्डागांव में विधायक लता उसेण्डी, मुंगेली में विधायक पुन्नुलाल मोहले, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में विधायक रेणुका सिंह, सूरजपुर में विधायक भूलन सिंह मराबी, बलरामपुर में विधायक उदेश्वरी पैकरा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में विधायक प्रणव कुमार मरपची, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में विधायक विक्रम उसेण्डी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में विधायक संपत अग्रवाल, खैरागढ़-छुईखदान में विधायक भावना बोहरा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगी।

# 48 लाख के 6
# इनामी नक्सली ढेर

**बस्तर,16 जून 2024(ए)।** नारायणपुर के अबूझमाड़ में चार जिलों की फोर्स ने एक बड़े नक्सल ऑपरेशन को अंजाम दिया। कुतुल एरिया में माड़ डिवीजन के नक्सलियों की सूचना मिली थी। चार जिलों की फोर्स के साथ साथ पैरा मिलिट्री फोर्स ने भी ऑपरेशन में हिस्सा लिया। सुरक्षाबलों ने कुल आठ नक्सलियों को मार गिराया। इन नक्सलियों में से 6 माओवादियों की पहचान हुई है। सभी 6 नक्सलियों पर आठ आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस तरह कुल 48 लाख रुपये का इनाम नक्सलियों पर घोषित था। इन सभी इनामी नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है।. बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने रविवार को अबूझमाड़ में हुए नक्सल ऑपरेशन की डिटेल जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमें इनपुट मिला था कि अबूझमाड़ के माड़ इलाके में नक्सलियों की टीम मौजूद है। इस सूचना पर चार जिलों कोंडागांव, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर से करीब 1200 जवानों ने ऑपरेशन शुरू किया। इन जवानों ने कुतुल एरिया में धावा बोला। जैसे ही फोर्स की टीम कुतुल के फरसबेड़ा और कोडतामेट के जंगलों में पहुंची नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी फायरिंग की. रुक रुक कर चले इस मुठभेड़ में जवानों को बड़ी सफलता मिली और आठ नक्सली मारे गए।

# आज से होगी छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश

» मौसम विभाग ने 24 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया

**रायपुर,16 जून 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ में आज से याने 17 जून से मानसून की बारिश रंग दिखा सकती है। रायपुर मौसम विभाग की माने तो कल से छत्तीसगढ़ के कई जिलों में झमाझम बारिश शुरू हो सकती है। जाहिर है, भीषण गर्मी के बाद अब प्रदेश के लोग आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं, कि कब कारे-कारे बदरा आए और झूम के बरसे, धरती की प्यास बूझा जाए। मगर राहत की बात यह है कि मानसून का अब बहुत लंबा इंतजार नहीं रह गया है। सब कुछ अच्छा रहा तो मौसम विभाग के मुताबिक कल से मानसून कई जिलों को पानी से सराबोर कर सकता है।

रायपुर मौसम विभाग ने आगमी 3 दिनों में प्रदेश के मध्य व दक्षिण भागों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने तथा उसके बाद कोई विषेश परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। उत्तरी भाग में आगामी 24 घंटो तक कोई विशेष परिवर्तन नहीं उसके बाद 2-3 तक की गिरावट होने की संभावना है। वहीं आज सरगुजा संभाग के सभी जिलों में एक दो जगह ग्रीष्म लहर चलने की संभावना है।

### मौसम विभाग ने आज के लिए जारी किया येलो अलर्ट

मौसम विभाग की माने तो 17 जून को सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, दुर्ग, कांकेर, धमतरी, गरियाबंद, बलोद, राजनांदगांव, रायपुर, महासमुंद, बेमेतरा, कबीरधाम, बलौदाबाजार, मुंगेली, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जशपुर में आंधी तूफान के साथ जोरदार बारिश हो सकती है। वहीं, बलरामपुर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)